कटनी, भोपाल, मंडला, जबलपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक-276 ● जबलपुर ● शनिवार, 7 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 13 ● विक्रम संवत् 2083

रूप चौदस की हार्दिक शुभकामनाएं



सीबीएसई ने जारी की दसवीं बोर्ड परीक्षा की समय-सारिणी, 16 फरवरी से परीक्षाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं की वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षाओं की समय-सारिणी जारी कर दी है। इसके अनुसार, दसवीं की परीक्षाएं 16 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च 2027 तक आयोजित की जाएंगी। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी जारी कार्यक्रम के आधार पर अपनी तैयारी की योजना बना सकते हैं। बोर्ड की ओर से परीक्षा की तारीखें घोषित होने के बाद विद्यार्थियों को विषयवार तैयारी और दोहराव के लिए समय निर्धारित करने में मदद मिलेगी। छात्र परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार पढ़ाई की रणनीति बना सकते हैं और जिन विषयों में अधिक तैयारी की जरूरत है, उन पर विशेष ध्यान दे सकते हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में विषयवार परीक्षा तिथियों और समय का विवरण नहीं दिया गया है। विद्यार्थियों को सलाह है कि वे सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी डेटशीट देखकर अपने विषयों की परीक्षा की तारीख और समय की पुष्टि कर लें।

ईगल बैटरी
सोलर इनवर्टर बैटरी
लाईफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक
मो.न. 9200792000



Intenics
Solar And Hybrid Lighting
Save Electricity ✓ Save Wiring ✓ 2 year warranty*
Made In India
Inviting Distributers And Dealers
intenicsgvtltd intenics.in
7880024499, 7880024466



गाजी नगर में देर रात झुग्गी बस्ती में भीषण आग

50 झोपड़ियां जलकर राख, 30 से 35 परिवार प्रभावित









जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के गोहलपुर थाना क्षेत्र स्थित गाजी नगर की झुग्गी बस्ती में धनतेरस की रात भीषण आग लगने से करीब 50 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। रात करीब दो बजे लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और एक के बाद एक आसपास की झोपड़ियां इसकी चपेट में आती चली गईं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि लोगों को अपना सामान निकालने तक का मौका नहीं मिला। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई परिवारों का वर्षों की मेहनत से जुटाया सामान जलकर नष्ट हो गया।

13 दमकल वाहनों ने रातभर संभाला मोर्चा

आग की सूचना मिलते ही पुलिस, नगर निगम, बिजली कंपनी और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। आग बुझाने के लिए 13 दमकल वाहनों को लगाया गया। दमकलकर्मी रातभर आग पर काबू पाने में जुटे रहे। वाहनों और पानी के टैंकरों का पानी खत्म होने पर उन्हें दोबारा भरकर मौके पर भेजा जाता रहा। सुबह तक आग पर काबू पाया जा सका। एहतियात के तौर पर बिजली कंपनी ने क्षेत्र की बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी थी।

350 से अधिक झोपड़ियों की बस्ती में फैली आग

गोहलपुर थाना क्षेत्र में लेमा गार्डन के पास गाजी नगर मैदान में करीब 350 झुग्गियां बनी हुई हैं। आग की शुरुआत के बाद लपटें तेजी से फैलती गईं और आसपास की झोपड़ियां भी इसकी चपेट में आ गईं। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद आग को दूसरे हिस्सों में फैलने से रोका। दमकल कर्मचारी ओमप्रकाश श्रीवास्तव के अनुसार, टीम ने आग पर काफी हद तक काबू पा लिया था और शेष हिस्से में भी बुझाने का काम जारी रहा।

50 साल की मेहनत एक रात में खत्म

आग में अपनी झोपड़ी गंवाने वाली अख्तरी बी ने बताया कि रात में लोगों ने आवाज लगाकर आग लगने की सूचना दी। जब वह घर से बाहर निकलीं तो चारों तरफ आग फैली हुई थी। देखते ही देखते उनकी झोपड़ी और उसमें रखा सामान जल गया। घर में रखा अनाज, रुपये, मोबाइल और रोजमर्रा की जरूरत का सामान भी नहीं बचा। उन्होंने बताया कि वह पिछले 50 साल से यहां रह रही थीं। अब उनके सामने रहने और खाने-पीने की व्यवस्था करने की चिंता है।

30 से 35 परिवारों के प्रभावित होने की जानकारी

पूर्व पार्षद ताहिर अली ने बताया कि उन्हें रात करीब ढाई बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर नगर निगम और पुलिस को जानकारी दी। उन्होंने आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई। साथ ही बताया कि बस्ती में पहले भी कई बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। सीएसपी अखिलेश गौर के अनुसार, पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और नगर निगम की दमकल टीम ने आग बुझाने के साथ बचाव कार्य किया। शुरुआती जानकारी में 30 से 35 परिवारों के प्रभावित होने की बात सामने आई है।

खुले आसमान के नीचे गुजार रहे समय

आग में घर गंवाने वाले परिवार फिलहाल बस्ती में ही खुले स्थान पर समय गुजार रहे हैं। कुछ लोग अपने परिचितों और रिश्तेदारों के सहारे हैं। स्थानीय पार्षद और अन्य लोगों ने प्रभावित परिवारों के लिए भोजन और जरूरी सामान की व्यवस्था करने की बात कही है। हालांकि, उनके रहने और पुनर्वास के लिए ठोस व्यवस्था सामने नहीं आई है। प्रशासन आग से हुए नुकसान का आकलन कर रहा है।

शॉर्ट सर्किट की आशंका, जांच जारी

नगर निगम की शुरुआती जानकारी में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि आग सबसे पहले किस स्थान और किस झोपड़ी में लगी थी। आग पूरी तरह बुझने के बाद नुकसान का विस्तृत आकलन किया जाएगा। फिलहाल राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई।

पार्किंग विवाद में टेक महिंद्रा के एशिया हेड की गोली मारकर हत्या



फरीदाबाद, एजेंसी। हरियाणा के फरीदाबाद में पार्किंग विवाद को लेकर टेक महिंद्रा कंपनी के एशिया हेड परमजीत धनखड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना सेक्टर-21सी स्थित बिल्डिंग नंबर-641 में हुई। आरोप है कि उनके पड़ोसी मोनू शर्मा ने लाइसेंसी पिस्टल से करीब 15 राउंड फायरिंग की, जिसमें परमजीत को नौ गोलियां लगीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, परमजीत पहली मंजिल पर रहते थे, जबकि आरोपी तीसरी मंजिल पर रहता था। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। मोनू का बेटा पार्किंग में अपने पालतू कुत्ते को शौच कराता था, जिसका परमजीत का बेटा विरोध करता था। इस बात को लेकर पहले भी कहासुनी हुई थी। शुक्रवार रात करीब आठ बजे परमजीत जिम से लौटे तो उनकी निर्धारित पार्किंग में मोनू की गाड़ी खड़ी थी। गाड़ी हटाने को कहने पर दोनों में विवाद हो गया। आरोप है कि मोनू पिस्टल लेकर पहुंचा और परमजीत पर गोलियां चला दीं। परमजीत पांच नवंबर को सिंगापुर से अपने भांजे की शादी में शामिल होने आए थे। शादी 24 नवंबर को होनी है। वारदात के बाद आरोपी परिवार सहित फरार हो गया।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, पांच की मौत, 17 घायल

सीतापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के पिसावां थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए। मृतकों में नौ साल की बच्ची और करीब पांच महिलाएं शामिल हैं। सभी लोग हरदोई से मुंडन संस्कार कराकर लौट रहे थे। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, बरगवां के पास पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें सवार लोग नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना देकर राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को एंबुलेंस से महोली और पिसावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां से गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

बैंकिंग संकट के बाद पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पद से हटाए गए



असुनसियोन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे में बैंकिंग संकट के बाद राष्ट्रपति सैंटियागो पेना को महाभियोग के जरिए पद से हटा दिया गया है। सीनेट में उनके खिलाफ प्रस्ताव के पक्ष में 44 सदस्यों ने मतदान किया, जबकि एक सदस्य अनुपस्थित रहा। इसके बाद उपराष्ट्रपति पेड्रो अलियाना ने नए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। वह अगस्त 2028 तक पद संभालेंगे। राजनीतिक संकट की शुरुआत यूएनो बैंक के वित्तीय संकट और उसके बंद होने के बाद हुई। केंद्रीय बैंक ने भुगतान क्षमता में कमी की आशंका के चलते बैंक को अपने नियंत्रण में ले लिया था। इसके बाद खाताधारकों को जमा पूंजी और बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने में परेशानी हुई। पेना पर आरोप लगे कि उनके कारोबारी संबंधों के कारण बैंक को सरकारी स्तर पर फायदा पहुंचाया गया और नियामकीय निगरानी में ढिलाई बरती गई। उन पर पद के दुरुपयोग और गंभीर लापरवाही के आरोप भी लगाए गए। हालांकि, पेना ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है।

इजराइल में सरकार गठन पर फैसला कल करेंगे राष्ट्रपति हर्जोग



यरुशलम, एजेंसी। इजराइल में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग रविवार को अगले प्रधानमंत्री के नाम का ऐलान करेंगे। सरकार बनाने के लिए संसद में कम से कम 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। गादी आइजनकोट के गठबंधन को छह पार्टियों के 67 सांसदों का समर्थन मिला है, जबकि मौजूदा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पक्ष में केवल 46 सांसद बताए जा रहे हैं। राष्ट्रपति हर्जोग ने गुरुवार को संसद में चुनी गई सभी पार्टियों के नेताओं से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि सांसदों की राय पहली नजर में स्पष्ट है, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई है। पार्टियों को एक-दूसरे के साथ भी आपत्तियां हैं। हर्जोग के अनुसार, केवल सांसदों की सिफारिश के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि कौन सरकार बनाने में सक्षम होगा। उन्होंने कुछ पार्टी नेताओं से अलग से बातचीत करने की बात कही है, ताकि गठबंधन की संभावनाएं स्पष्ट हो सकें। आइजनकोट को समर्थन देने वाली छह पार्टियों में चार यहूदी और दो अरब पार्टियां शामिल हैं। चार यहूदी दलों के पास 48 और दो अरब दलों के पास 19 सीटें हैं। हालांकि, इनमें से तीन यहूदी पार्टियां अरब दलों के साथ सरकार बनाने के पक्ष में नहीं हैं। आइजनकोट भी चुनाव से पहले अरब पार्टियों को सरकार में शामिल करने से इनकार कर चुके हैं। वहीं, अरब पार्टियों का कहना है कि उनका समर्थन नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के उद्देश्य से है।



अमेरिका में हिरासत में लिया गया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी हैरी बॉक्सर

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के करीबी और हरियाणा के वांछित गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के मुताबिक, हैरी अमेरिका में रहकर गैंग की गतिविधियां संचालित कर रहा था। वह लंबे समय से हरियाणा पुलिस की तलाश में था। हैरी बॉक्सर उस मामले में भी चर्चा में आया था, जिसमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित आवास के बाहर फायरिंग हुई थी। इस घटना के बाद उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट और ऑडियो संदेश जारी कर फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। उसने इन संदेशों के जरिए बॉलीवुड से जुड़े लोगों को धमकी भी दी थी। हरियाणा एसटीएफ के अनुसार, हैरी के खिलाफ हत्या, धमकी देने और रंगदारी वसूलने सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह अमेरिका में बैठकर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम कर रहा था। उसकी हिरासत को गैंग की गतिविधियों और विदेश में सक्रिय नेटवर्क की जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब भारतीय एजेंसियां उसकी हिरासत और आगे की कानूनी प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी जुटा रही हैं।

ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटे लोगों को नाम जुड़वाने का एक और मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने दिल्ली सहित सात राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए लोगों को अंतिम सूची में नाम शामिल कराने का एक और मौका दिया है। इस फैसले से उन लाखों मतदाताओं को राहत मिलेगी, जिनके नाम गणना फॉर्म समय पर जमा नहीं होने के कारण सूची से बाहर हो गए थे।



ड्राफ्ट सूची तैयार करते समय कई मतदाताओं के नाम अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरे पंजीकरण की श्रेणी में दर्ज कर हटा दिए गए थे। इसके बाद पुराने मतदाताओं को नाम दोबारा जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरना पड़ रहा था। इसमें पहली बार मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने की घोषणा करनी होती है, जबकि पहले से पंजीकृत लोग ऐसा करने से हिचक रहे थे। पता बदलने वालों को फॉर्म-8 की प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ रहा था। आयोग ने स्पष्ट किया है कि प्रभावित मतदाताओं को अब फॉर्म-6 या फॉर्म-8 भरने की जरूरत नहीं होगी। वे केवल नया एसआईआर गणना फॉर्म भरकर नाम शामिल कराने का आवेदन कर सकेंगे। ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के बाद बंद की गई गणना प्रक्रिया को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समयसीमा समाप्त होने तक फिर से खोल दिया गया है। आयोग ने संबंधित राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। मतदाता अपना फॉर्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी अथवा बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा कर सकते हैं। इसके साथ घोषणापत्र देना होगा, जिसमें पहले फॉर्म जमा नहीं कर पाने का कारण बताने के साथ यह पुष्टि करनी होगी कि इस दौरान फॉर्म-6 से नया पंजीकरण कराने के लिए आवेदन नहीं किया गया है। यह व्यवस्था दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड में लागू होगी।

चारधाम की आस्था से कांग्रेस पर हमले तक, अमित शाह ने साधे सियासी निशाने

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड राज्योत्सव के अवसर पर परेड ग्राउंड में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन में धार्मिक आस्था और चुनावी राजनीति का मिला-जुला स्वर दिखाई दिया। विधानसभा चुनाव की आहट के बीच उन्होंने देवभूमि की माटी को प्रणाम कर भाषण की शुरुआत की।



शाह ने गुजरात और उत्तराखंड के आध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात में मान्यता है कि जो चारधाम की यात्रा नहीं करता, उसके लिए मोक्ष का द्वार नहीं खुलता। उन्होंने केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगा, यमुना, हेमकुंड साहिब और हरिद्वार की धार्मिक महत्ता का स्मरण किया। इसके बाद उन्होंने राज्य निर्माण के संघर्ष और आंदोलनकारियों के बलिदान को याद किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उत्तराखंड राज्य की स्थापना का श्रेय देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे संवारने का काम किया है। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर राज्य आंदोलन के दौरान अत्याचार करने का आरोप भी लगाया। शाह ने राज्य स्थापना दिवस को गौरव, सिद्धि और संकल्प के तीन सूत्रों से जोड़ते हुए सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति की परंपरा बचाए रखने का आह्वान किया। संबोधन के राजनीतिक हिस्से में उन्होंने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और मुस्लिम विश्वविद्यालय की वकालत करने का आरोप लगाया। अवैध मदरसों और मजारों का मुद्दा उठाकर विपक्ष पर निशाना साधा।

दुबई में मेडिकल खर्च और लंबी वेटिंग के बीच देवदूत बने भारतीय

भारतीय युवक गंभीर अस्वस्थता के चलते फंसा
दूतावास और प्रवासी भारतीयों की मदद से दिल्ली लाया गया

दुबई/दिल्ली, यशभारत। दुबई घूमने गए मध्य प्रदेश के ज्ञानेंद्र तिवारी को अचानक आई गंभीर चिकित्सीय आपातस्थिति के बाद भारतीय दूतावास और दुबई में सक्रिय प्रवासी भारतीय समुदाय के सहयोग से सुरक्षित भारत (दिल्ली) वापस लाया गया है। ज्ञानेंद्र 13 अक्टूबर को टूरिस्ट वीजा पर दुबई गए थे। 15 अक्टूबर को डेजर्ट सफारी से लौटने के बाद अचानक सीने में दर्द की शिकायत पर उन्हें अल ज़हरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहाँ जांच में 90% ब्लॉकेज पाए जाने पर उनकी तत्काल एंजियोप्लास्टी की गई। कार्डियक अरेस्ट के कारण मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी से उनकी स्थिति अत्यधिक नाजुक हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखना पड़ा।

मददगारों की पहल से आसान हुई स्वदेश वापसी

परिजन मरीज को जल्द से जल्द भारत लाकर इलाज कराना चाहते थे, लेकिन एयरलाइंस से उन्हें 14 नवंबर की स्ट्रेचर टिकट मिल रही थी। अस्पताल का भारी दैनिक खर्च देखते हुए 14 तारीख तक दुबई में रुककर इलाज जारी रखना परिजनों की आर्थिक क्षमता से बाहर हो चुका था। इस संकट की घड़ी में सबसे पहले इंदौर ग्रुप IIBM के मेंबर्स अंजू भाटिया ने पहल करते हुए इस मामले में मदद की शुरुआत की। इसके साथ ही कांसुलेट जनरल ऑफ़ इंडिया (दुबई) का मदद सेक्शन, दुबई निवासी चंद्रशेखर भाटिया, सामाजिक सेवा में सक्रिय उमा शंकरी कृष्णमूर्ति और 'ह्यूमन केयर वर्ल्डवाइड' की टीम भी आगे आई। इन सभी के विशेष प्रयासों और साझा समन्वय से 04 नवंबर की एमीरेट्स एयरलाइंस की टिकट व स्ट्रेचर की व्यवस्था हुई, जिससे ज्ञानेंद्र को 04 नवंबर की रात दुबई से रवाना कर 05 नवंबर की तड़के सुरक्षित दिल्ली लाया गया। अनूपपुर निवासी देवेंद्र कुमार तिवारी के परिजनों ने इस सहयोग के लिए भारतीय दूतावास और पूरे प्रवासी समुदाय का आभार व्यक्त किया है।

टूरिस्ट इंश्योरेंस की उपयोगिता व भारतीय दूतावास की एडवाइजरी

विदेश जाने वाले प्रत्येक यात्री के लिए 'टूरिस्ट इंश्योरेंस' एक ढाल की तरह काम करता है। अल ज़हरा अस्पताल में प्रतिदिन का खर्च लगभग 12,000 दिरहम (करीब 2.7 लाख रुपये) था। ज्ञानेंद्र तिवारी के पास 1 लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) का मेडिकल बीमा कवरेज एक्टिव था, जिससे अस्पताल में शुरुआती और आवश्यक इलाज का भारी-भरकम भुगतान संभव हो सका। हाल ही में भारतीय दूतावास (अबू धाबी) और कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया (दुबई) ने भी श्व जाने वाले और वहाँ रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सलाह दी गई है कि यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त और उचित मेडिकल इंश्योरेंस जरूर कराएं, जिसमें कैशलेस सुविधाओं के साथ-साथ किसी भी अनहोनी या चिकित्सीय आपात स्थिति में भारत वापस लाने का खर्च भी कवर शामिल हो। यह घटना सबक देती है कि विदेश यात्रा के दौरान पर्याप्त मेडिकल बीमा जरूर कराएं।

दीपावली से पहले दिल्ली की हवा हुई बेहद खराब, एक्यूआई 364 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दीपावली से एक दिन पहले वायु प्रदूषण का स्तर बेहद खराब हो गया। शनिवार सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 364 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, यह बहुत खराब श्रेणी में आता है। प्रदूषण के कारण सुबह कई इलाकों में धुंध की मोटी परत छाई रही।



इससे पहले शुक्रवार शाम चार बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई 382 दर्ज किया गया था। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के अनुमान के मुताबिक, शनिवार को प्रदूषण का स्तर बढ़कर गंभीर श्रेणी में पहुंच सकता है। दिल्ली के 59 निगरानी केंद्रों में से 18 पर शनिवार सुबह हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। एक्यूआई के मानकों के अनुसार, 301 से 400 के बीच का स्तर बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है। हवा की धीमी गति और मौसमी परिस्थितियों के कारण प्रदूषक तत्व वातावरण में जमा हो रहे हैं। इससे प्रदूषण में जल्द सुधार की उम्मीद कम है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस बीच राजधानी में ठंड का असर भी बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार, सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.9 डिग्री कम रहा। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान जताया है।

रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसलाः पुरानी पेंशन योजना के दायरे में आएंगे पूर्व आयुध निर्माणी के कर्मचारी

न्यायालय के आदेशों के बाद नीति स्पष्ट

जबलपुर, यशभारत। रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अंतर्गत आयुध निदेशालय (समन्वय एवं सेवाएं) ने पूर्व आयुध निर्माणी के कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से पुरानी पेंशन योजना में जाने के विकल्प को लेकर एक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिया है। इस फैसले से देश भर की विभिन्न फैक्ट्रियों के उन भूतपूर्व ट्रेड अप्रेंटिस कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है, जो लंबे समय से अदालतों में कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के 3 मार्च 2023 के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, 1 जनवरी 2004 या उसके बाद ऐसे पदों पर नियुक्त कर्मचारी, जिनका विज्ञापन या भर्ती अधिसूचना एनपीएस लागू होने की तिथि (22 दिसंबर 2003) से पहले जारी हुई थी, वे CCS (पेंशन) नियम, 1972 के तहत पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने के लिए पात्र थे।

यशभारत की खबर, खरी निकली


यशभारत
सुरक्षा संस्थानों में फिर शुरू होगी अनुकम्पा नियुक्ति

यशभारत ने 2 नवंबर को बीपीएमएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मारुति हनुमंत पवार के हवाले से खबर छापी थी कि एनपीएस से ओपीएस के लिए दीपावली से पहले रास्ता खुलेगा। जिस पर बड़ा फैसला लिया गया। आज के आदेश से वे 7,354 कर्मचारी/अधिकारी जो परेशान थे, उनके लिए राह आसान हो गई है। इस निर्णय के बाद बीपीएमएस के वर्किंग प्रेसीडेंट मुकेश सिंह, नेशनल प्रेसिडेंट मारुति हनुमंत पवार एवं जनरल सेक्रेटरी रबीन्द्र कुमार मिश्रा ने आभार व्यक्त किया है। उन्होंने यशभारत को भी यह खबर प्रमुखता से छापने पर साधुवाद दिया है।

हालांकि, पूर्व आयुध निर्माणी (OFB) के अंतर्गत पूर्व-ट्रेड अप्रेंटिस की भर्ती की प्रक्रिया अन्य विभागों से अलग और आंतरिक होती है, जिसमें किसी बाहरी भर्ती एजेंसी या विज्ञापन की सीधी भूमिका नहीं होती। इस तकनीकी उलझन के कारण फील्ड यूनिट्स इन कर्मचारियों को एनपीएस से ओपीएस में स्विच करने का विकल्प देने में असमर्थ थीं, जिससे केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) में कई मामले दर्ज हो गए थे। अदालतों के फैसलों और

समीक्षा के बाद निर्देश

विभिन्न ट्रिब्यूनलों ने कर्मचारियों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए माना था कि ह्रस्नक्कद्वारा पदों की आंतरिक स्वीकृति ही एक प्रकार की अधिसूचना है। मुकदमों की संख्या को कम करने और अनावश्यक अपीलों से बचने के लिए कानून मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के तहत इस मामले की व्यापक समीक्षा की गई।

मंत्रालय का नया आदेश और निर्देश

अब पूर्व-ट्रेड अप्रेंटिस (e&-TAs) की भर्ती के मामलों में, पूर्व OFB द्वारा जारी किया गया 'स्वीकृति पत्र' जिसमें ट्रेड-वार पदों का वितरण होता है, उसे ही DoP&PW के नियमों के तहत 'रिक्ति की अधिसूचना' माना जाएगा। साथ ही सभी फील्ड यूनिट्स को सलाह दी गई है कि वे इस नए नीतिगत निर्णय के आलोक में आवश्यक कार्रवाई करें और CAT के आदेशों के खिलाफदायर की गई रिट याचिकाओं को वापस लें। इस निर्णय से देश भर के लगभग 28 आयुध कारखानों के 200 से अधिक कर्मचारियों से जुड़े 86 अदालती मामलों के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

बर्न आदि काली बाड़ी में 125 वीं काली पूजा 8 को



जबलपुर यश भारत। शहर की ऐतिहासिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं की श्रंखला में बर्न आदि काली बाड़ी में 8 नवंबर अमावस्या की रात को 125 वीं काली पूजा का आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष तपन राय घटक के अनुसार रात्रि 9 बजे से मान्यतानुसार वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सांकेतिक बली,हवन आदि धार्मिक अनुष्ठान संपादित होंगे। तदोपरांत भंडारा भी आयोजित किया गया है। मान्यता है कि कार्तिक अमावस्या की रात में मां काली की उपासना करने से विनाश की अधिष्ठात्री देवी मां काली दुष्प्रवत्तियों का नाश करती हैं। उल्लेखनीय है कि बर्न कंपनी की स्थापना के साथ शहर में आये बंगभाषियों ने सन 1902 से यहां बंगाली मान्यता के अनुसार पूजा आराधना शुरू की थी जो अब भी लगातार जारी है ?। समिति के शिशिर मजूमदार, देवाशीष चटर्जी,श्यामल मुखर्जी, दीपक राय घटक, श्रीमती पापिया मोइत्रा, अर्चना बनर्जी , रंजना मजूमदार आदि ने सभी से धर्म लाभ की अपील की है।

मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना

धनतेरस पर जिले के पांच सौ ग्रामीणों को मिला आवासीय भूमि का कानूनी अधिकार



जबलपुर। मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करने चलाये जा रहे स्वामित्व दस्तावेजों के पंजीयन अभियान में आज धनतेरस के शुभ अवसर पर जिले के 13 ग्रामों में आयोजित किये गये कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों द्वारा ग्रामीणों को निःशुल्क रजिस्ट्री कर उनकी आवासीय भूमि के अधिकार अभिलेख प्रदान किये गये। इसी के साथ जिले में अभी तक मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत 61 हजार 521 स्वामित्व अधिकार अभिलेखों का पंजीकरण पूरा हो चुका है।

मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के अंतर्गत निःशुल्क रजिस्ट्री कर ग्रामीणों को उनकी आवासीय भूमि के अधिकार अभिलेख प्रदान करने धनतेरस पर आयोजित कार्यक्रमों में सांसद आशीष दुबे ने कंटगी तहसील के ग्राम सिंदरी, विधायक अजय विश्नोई ने पाटन तहसील के ग्राम पवई, विधायक सुशील तिवारी इंदु ने पनागर तहसील के ग्राम पिपरिया, विधायक नीरज सिंह ने गोरखपुर तहसील के ग्राम पडुवा, शहपुरा तहसील के ग्राम पहाड़ीखेड़ा एवं जबलपुर तहसील के ग्राम नारायणपुर, घाट पिपरिया और खुर्सी, विधायक संतोष बरकड़े ने कुंडम तहसील के ग्राम अमेरा एवं सिहोरा तहसील के ग्राम पौडीखुर्द, जनपद पंचायत अध्यक्ष मझौली श्रीमती विद्या दिनेश चौरसिया ने पोंडा तहसील के ग्राम आमी तथा नगर परिषद मझौली की अध्यक्ष श्रीमती क्षिप्रा राजेन्द्र चौरसिया ने मझौली तहसील के ग्राम कांकरदेही में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों को कानूनी दस्तावेज प्रदान किये। राज्य शासन की इस महत्वपूर्ण योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को उनके आवासीय अधिकारों के विधिवत पंजीकृत अभिलेख उपलब्ध कराना है। इस प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए पटवारी को निष्पादक तथा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, जनपद सहायक विकास विस्तार अधिकारी और पंचायत समन्वय अधिकारी को उप-पंजीयक के विशेष अधिकार प्रदान किए गए हैं।

स्टेशन पर उमड़ी यात्रियों की भीड़ ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं



बाथरूम और गेट तक यात्रियों का कब्जा

जबलपुर यशभारत। दीपावली और छठ पूजा के पर्व पर घर पहुंचने की जल्दबाजी ने रेल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

खासतौर पर उत्तर भारत, पूर्वांचल और बिहार की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों का जबरदस्त दबाव देखा जा रहा है। बनारस, पटना सहित बिहार के विभिन्न शहरों की ओर जाने वाली गाड़ियां खचाखच भरी हुई चल रही हैं। स्टेशन के प्लेटफॉर्मों पर यात्रियों की भीड़ और ट्रेनों में चढ़ने-उतरने की आपाधापी के बीच हालात ऐसे बन रहे हैं कि कई यात्रियों को कोच के दरवाजों और बाथरूम तक के आसपास जगह तलाशनी पड़ रही है।

कोच में आरक्षित सीटों तक पहुंचने में कड़ी मशक्कत

ट्रेनों में भीड़ का आलम यह है कि जनरल कोच से लेकर आरक्षित श्रेणी तक में यात्रियों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही। कई कोचों में यात्री गलियारों में खड़े होकर सफर करने को मजबूर हैं, वहीं कुछ यात्रियों को बाथरूम के आसपास बैठकर यात्रा करनी पड़ रही है। इसके साथ ही जिन यात्रियों का आरक्षण है वह अपनी सीट तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

यात्रियों को करनी पड़ रही है जद्दोजहद

त्योहारी सीजन में ट्रेनों की यह स्थिति उन यात्रियों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है, जिन्हें परिवार के साथ दीपावली और छठ मनाने के लिए अपने घर पहुंचना है। जनरल कोचों में भीड़ के चलते चढ़ने और उतरने तक में यात्रियों को जद्दोजहद करनी पड़ रही है। वहीं आरक्षित कोचों में भी सीटें पहले से फुल हैं। लंबी वेटिंग लिस्ट के कारण कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। त्योहारी सीजन शुरू होते ही बिहार और पूर्वांचल की ओर जाने वाली ट्रेनों में आरक्षण की मांग तेजी से बढ़ गई है। कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग होने के कारण यात्रियों के सामने सफर को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जिन लोगों ने पहले से टिकट बुक नहीं कराया, उनके लिए अब तत्काल टिकट ही आखिरी उम्मीद बना हुआ है। तत्काल आरक्षण खुलते ही टिकटों की मारामारी शुरू हो जाती है। इसके बावजूद यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलना आसान नहीं रह गया है।

वैद्य सुमित को मिला धन्वंतरि बाबा अवार्ड

जबलपुर,यश भारत। धन्वंतरि जयंती के अवसर पर राइट टाउन स्थित सावित्री सदन में 79 वर्षों से आयोजित हो रहे सम्मान समारोह में इस वर्ष वैद्य सुमित को 'धन्वंतरि बाबा अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल, श्रीफल और अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक अमित दवे, वरिष्ठ प्रचारक तुलाराम जी और लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. नरेंद्र कोष्टी उपस्थित रहे। संयोजक शरद अग्रवाल के सानिध्य में भगवान धन्वंतरि का पूजन-अर्चन कर समारोह की शुरुआत हुई। वक्ताओं ने कहा कि आयुर्वेद ने विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस अवसर पर प्रचारक कन्हैयालाल, वैद्य रविंद्र गर्ग, वैद्य वीरबहादुर, वैद्य गणेश विश्वकर्मा, एडवोकेट सचिन अग्रवाल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।



संस्कारधानी में सजेगा 51 हजार दीपों का भव्य 'दीपोत्सव-2026'

माँ नर्मदा के गौरीघाट पर होगी महाआरती और लेज़र शो





जबलपुर, यशभारत।

संस्कारधानी जबलपुर में आज शनिवार, 07 नवम्बर को दीपावली की पूर्व संध्या पर शाम 5:30 बजे से माँ नर्मदा जी के पावन तट गौरीघाट पर भव्य एवं दिव्य दीपोत्सव - जबलपुर 2026 का आयोजन होने जा रहा है। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के आह्वान पर यह आयोजन विगत चार वर्षों की भांति इस वर्ष भी पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया जा रहा है। इस अलौकिक दीपोत्सव के दौरान 51 हजार दीपों की रोशनी से माँ नर्मदा के तटों का दिव्य श्रृंगार किया जाएगा। कार्यक्रम में पूज्य संतों का सानिध्य व आशीर्वाद प्राप्त होगा, साथ ही विभिन्न जनप्रतिनिधि, सामाजिक व व्यापारिक संगठन और शहर के गणमान्य नागरिक एक साथ उपस्थित रहेंगे। समारोह में माँ नर्मदा जी की भव्य महाआरती, शानदार आतिशबाजी और सनातन संस्कृति पर आधारित आकर्षक लेज़र शो मुख्य आकर्षण का केंद्र होंगे। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने शहरवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा है कि सभी नागरिक अपने परिवार व मित्रों के साथ गौरीघाट पहुँचे। उन्होंने सभी से अपने क्षेत्र, शहर, प्रदेश और राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए 'एक दीप - समृद्धि के नाम' प्रज्वलित करने और अपनी आस्था, परंपरा व संस्कृति के इस महान उत्सव का साक्षी बनने का आह्वान किया है।



भेड़ाघाट, शहपुरा और कटंगी की मिठाई दुकानों का निरीक्षण कर लिये खाद्य पदार्थों के नमूने

जबलपुर, यशभारत। उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार दीपावली के मद्देनजर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने शुक्रवार को भेड़ाघाट, शहपुरा और कटंगी में मिठाई और खोवा की दुकानों का निरीक्षण कर छेना, कलाकंद रसगुल्ला और मोतीचूर के लड्डू के नमूने परीक्षण के लिए एकत्र किये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान के तहत शुक्रवार को भेड़ाघाट स्थित बीकानेर स्वीट्स से छेना , कलाकंद, मोतीचूर के लड्डू और सोनपापड़ी, शहपुरा स्थित बीकानेर स्वीट्स से छेना, कलाकंद, मोतीचूर के लड्डू और सोनपापड़ी के नमूने लिए गए। इसी प्रकार कटंगी स्थित बाबा स्वीट्स से रसगुल्ला, मोतीचूर के लड्डू और बीकानेर स्वीट्स से नमकीन, कलाकंद, मोतीचूर लड्डू, सोनपापड़ी के नमूने लिए गए। सभी सैंपल जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा संबंधित नियमों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण कर स्वामित्व योजना के काम में भी लाएं तेजी



जबलपुर। अपर कलेक्टर श्री रविशंकर राय ने स्वामित्व योजना और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को लंबित शिकायतों का गंभीरता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में ऐसे आवेदनों की भी जांच की जाए, जिनमें आवेदक का काम तकनीकी या अन्य कारणों से पूरा नहीं हो पाया है अथवा आवेदन निरस्त कर दिया गया है। संबंधित तहसीलों से समन्वय कर ऐसे प्रकरणों का निराकरण कराया जाए।

अपर कलेक्टर ने कहा कि दीपावली के अवकाश के दौरान भी सीएम हेल्पलाइन को प्राथमिकता में रखें। पटवारियों से संपर्क कर आवेदकों को बुलवाएं और लंबित प्रकरणों का निराकरण कराएं, ताकि शिकायतों की संख्या शून्य तक लाई जा सके। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना और सीएम हेल्पलाइन के कार्यों के बीच संतुलन बनाकर दोनों की प्रगति सुनिश्चित करना जरूरी है। बैठक में स्वामित्व योजना के तहत आधार ओटीपी और ई-केवाईसी से जुड़ी तकनीकी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। अपर कलेक्टर ने कहा कि संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर इन समस्याओं का समाधान कराया जाएगा। त्योहारों के दौरान गांव लौटने वाले ऐसे लोगों से संपर्क कर ई-केवाईसी और लंबित सत्यापन का काम पूरा कराने के प्रयास किए जाएं, जो सामान्य दिनों में गांव में उपलब्ध नहीं रहते हैं।

बैठक में एडीएम शैलेन्द्र सिंह, एडीएम अखिलेश सिंह, डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंहमारे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।



भगवान धन्वंतरी जयंती पर आयुर्वेद और चिकित्सा पद्धतियों के समन्वय पर जोर

जबलपुर।

नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल Association एवं ग्लोबल आयुष मेडिकल Association के संयुक्त तत्वावधान में राइट टाउन स्थित छवि सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल के महर्षि वेद व्यास कक्ष में भगवान धन्वंतरी जयंती समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन ने कहा कि आयुर्वेद जीवन जीने की पद्धति है। उन्होंने प्रिवेंटिव हेल्थकेयर और लाइफस्टाइल मैनेजमेंट पर विशेष जोर देते हुए सभी चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों को एक मंच पर आने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश नेमा ने चिकित्सकों को आरोग्य संदेश का संवाहक बताया।

विशिष्ट अतिथि संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. अर्चना मरावी ने वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरी के पूजन से हुआ, जिसमें शहर के अनेक गणमान्य चिकित्सक एवं नागरिक उपस्थित रहे।

शराब के लिए रुपए नहीं देने पर किसान पर चाकू से हमला

जबलपुर, यश भारत।

शहपुरा थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए नहीं देने पर बाइक सवार तीन युवकों ने एक किसान को रोककर मारपीट की और चाकू से हमला कर घायल कर दिया। घटना के बाद आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी और भाग निकले। बाद में किसान के पिता और स्थानीय लोगों ने बस स्टैंड के पास एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार झंडा चौक निवासी 25 वर्षीय जयदीप रजक मालकछार स्थित खेत से घर लौट रहा था। बिजली कार्यालय के पास तीन युवकों ने बाइक अड़ाकर उसे रोक लिया और शराब के लिए रुपए मांगे। मना करने पर मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। घायल ने पिता को फोन कर सूचना दी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी नमन नोरिया (19), निवासी कालीमठ मदनमहल को अभिरक्षा में लेकर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जबलपुर में खाद, बीज और कीटनाशकों की कालाबाजारी रोकने के लिए टास्क फोर्स गठित

जबलपुर। किसानों को उनकी आवश्यकतानुसार समय पर, सुगम और उचित दरों पर उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने जिला, अनुविभाग तथा विकासखंड स्तर पर निगरानी दलों ('टास्क फोर्स') का गठन किया है। ये दल इन सामग्रियों के भंडारण, वितरण और विक्रय की सतत निगरानी करेंगे तथा कालाबाजारी, ओवररेटिंग और अवैध भंडारण पर सख्त कार्रवाई करेंगे। जिला स्तरीय टास्क फोर्स के प्रभारी सहायक संचालक कृषि (गुण नियंत्रण) पंकज श्रीवास्तव को बनाया गया है, जबकि अनुविभाग स्तर पर अनुविभागीय कृषि अधिकारियों के नेतृत्व में दल तहसीलों में निगरानी रखेंगे। विकासखंड स्तर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी और कृषि विस्तार अधिकारी इसके प्रभारी होंगे। यह टास्क फोर्स सहकारी समितियों और निजी विक्रेताओं के स्टॉक रजिस्टर, बिल व भौतिक स्टॉक का आईएफएमएस या ई-विकास प्रणाली से मिलान करेगी। गुणवत्ता जांच के लिए नमूने लिए जाएंगे और अवैध परिवहन, कालाबाजारी या एमआरपी से अधिक दाम पर बेचने वालों के खिलाफ दंडात्मक व अभियोजन कार्रवाई की जाएगी। अधिक खपत वाले केंद्रों पर पुलिस व राजस्व विभाग के सहयोग से आकस्मिक छापे भी मारे जाएंगे।





धनतेरस पर हर बाजार में बरसी लक्ष्मी 200 करोड़ से अधिक का कारोबार

सुबह से देर रात तक बाजारों में उमड़ी ग्राहकों की भीड़

जबलपुर, यश भारत। धनतेरस के अवसर पर जबलपुर के बाजारों में इस बार जबरदस्त रौनक देखने को मिली। शुभ मुहूर्त में खरीदारी करने के लिए सुबह से ही शहर के प्रमुख बाजारों, शोरूम और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में ग्राहकों की भीड़ जुटने लगी थी। सोने-चांदी के आभूषणों से लेकर दोपहिया और चारपहिया वाहनों, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन, कपड़े और दीपावली की सजावटी सामग्री तक की जमकर खरीदारी हुई। कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) जबलपुर के अनुसार शाम 5 बजे तक शहर में करीब 193 करोड़ 50 लाख रुपये का कारोबार दर्ज किया गया। व्यापारियों के लिए धनतेरस का दिन खासा उत्साहजनक रहा।

वाहनों की खरीदारी में भी दिखा उत्साह

ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी धनतेरस का खास असर दिखाई दिया। कैट के आकलन के मुताबिक इस क्षेत्र में करीब 52 करोड़ 50 लाख रुपये का कारोबार हुआ। शहर में लगभग 1500 दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई, जिनसे करीब 15 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। औसतन 15 लाख रुपये प्रति कार के हिसाब से चारपहिया वाहनों का कारोबार लगभग 37 करोड़ 50 लाख रुपये रहा।

इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा और किराना बाजार में भी रौनक

मोबाइल फोन, टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, एसी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की खरीदारी से करीब 6 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। कपड़ा और रेडीमेड वस्त्रों के बाजार में भी ग्राहकों की अच्छी आवाजाही रही और लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गई। दीपावली के पकवानों और अन्य तैयारियों के लिए किराना एवं खाद्य सामग्री की खरीदारी में तेजी रही। इस क्षेत्र में करीब 12 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

दीपावली की सजावट और पूजन सामग्री की भी खूब बिक्री

धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा के चलते स्टील, पीतल, तांबे और क्रॉकरी की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। वहीं घरों और दुकानों को रोशन करने के लिए झालर, आकर्षक लाइटिंग और सजावटी इलेक्ट्रिकल सामान की मांग बढ़ी। इस क्षेत्र में करीब 4 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, मिट्टी के दीपक, दीये, फूल-मालाओं और पूजन सामग्री की बिक्री से लगभग 3 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ।

सराफा बाजार में सबसे ज्यादा चमकी खरीदारी

धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीदारी को शुभ माना जाता है। यही वजह रही कि सराफा बाजार में ग्राहकों की सबसे ज्यादा भीड़ दिखाई दी। सोने-चांदी के आभूषणों, सिक्कों और हीरे-जवाहरात की खरीदारी से करीब 100 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। आभूषणों के शोरूम से लेकर छोटे सराफा प्रतिष्ठानों तक दिनभर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।



छोटे कारोबारियों को भी मिला त्योहार का लाभ

जूते-चप्पल, फैशन और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी से करीब 3 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। फर्नीचर और घरेलू सजावट से जुड़ी वस्तुओं की बिक्री लगभग 3 करोड़ 50 लाख रुपये रही। बेकरी उत्पादों, फ्लॉवर और अन्य खाद्य वस्तुओं से करीब 2 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। इसके अलावा पैकिंग सामग्री, परिवहन और अन्य व्यापारिक सहायक सेवाओं में लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपये की आर्थिक गतिविधियां दर्ज की गईं। कैट के मुताबिक इस बार धनतेरस के कारोबार में बड़े शोरूम और प्रतिष्ठानों के साथ छोटे दुकानदारों, स्थानीय उत्पाद निर्माताओं, कारीगरों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों की भी महत्वपूर्ण भागीदारी रही। कुल मिलाकर धनतेरस ने शहर के व्यापार को अच्छी गति दी और दीपावली से पहले बाजारों में उत्साह का माहौल बना दिया।

पुरानी रंजिश में रांझी और अधारताल में चाकूबाजी



जबलपुर,यश भारत। शहर में पुरानी रंजिश के चलते चाकूबाजी की दो वारदातें सामने आई हैं। रांझी और अधारताल थाना क्षेत्रों में बदमाशों ने दो युवकों पर चाकू से जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घायलों में एक 39 वर्षीय ट्रांसपोर्ट व्यापारी भी शामिल है। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में पांच आरोपियों के खिलाफप्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पनेहरा पेट्रोल पंप के पास व्यापारी पर हमला

रांझी पुलिस के अनुसार पुराना शोभापुर निवासी 39 वर्षीय ट्रांसपोर्ट व्यापारी सुरेश यादव उर्फयश गुरुवार रात करीब 8:30 बजे अपनी बुलेट से घर लौट रहे थे। पनेहरा पेट्रोल पंप के आगे एच टाइप क्वार्टर के पास अजय पटेल, जगदीश पटेल और यशवंत पटेल ने उन्हें रोक लिया। पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर जगदीश और यशवंत ने अजय को मारने के लिए उकसाया, जिसके बाद अजय ने चाकू से हमला कर व्यापारी को घायल कर दिया। जान बचाकर भागे व्यापारी को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उन्हें जबलपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज किया है।

कंचनपुर में युवक को घेरकर मारा चाकू

दूसरी वारदात अधारताल के न्यू कंचनपुर क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार 27 वर्षीय वैभव उर्फ चंचू मेहता गुरुवार शाम अपने दोस्त कुशाग्र यादव के साथ घर लौट रहा था। रात करीब 7:45 बजे साहिल गौतम उर्फ साहिल राजपूत और राज उर्फराजकिशोर झा ने साहिल के घर के सामने दोनों को रोक लिया। पुरानी रंजिश को लेकर विवाद शुरू हुआ। इस दौरान राज ने वैभव को पकड़ लिया और साहिल ने चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना देखकर उसका दोस्त मौके से भाग निकला। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। लगातार सामने आ रही ऐसी वारदातों ने शहर में पुरानी रंजिश के चलते बढ़ रही हिंसक घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

सूर्या हाफ मैराथन एवं सैन्य प्रशिक्षण दक्षता हेतु एसबीआई का सहयोग

भेंट की सिलाई मशीनें और 40 लाख का चेक

जबलपुर यश भारत।स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), जबलपुर मॉड्यूल ने गत दिनों डिफेंस सर्विसेज ऑफिसर्स मेस इंस्टीट्यूट', मुख्यालय मध्य भारत क्षेत्र में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) के तहत कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और स्थायी आजीविका अवसरों को बढ़ावा देने हेतु आर्मी ट्रेनिंग स्किल सेंटर' (ASTC) के लाभार्थियों को सिलाई मशीनें वितरित की गईं। इसी अवसर पर, SBI ने



आगामी 'चौथी सूर्या हाफमैराथन 2026' के टाइटल स्पॉन्सर के रूप में, कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए 40 लाख रुपये का प्रतीकात्मक चेक भी सौंपा। जिसके माध्यम से फिटनेस, सामुदायिक जुड़ाव और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने हु अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर मध्य भारत क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंद्रा (AVSM, SM) और अन्य सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही, SBI जबलपुर मॉड्यूल के ष्ठत्तरू जितेंद्र सिंह और क्षेत्रीय प्रबंधक वैभव गुप्ता भी मौजूद रहे। यह पहल समावेशी विकास और सामुदायिक कल्याण के प्रति SBI की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही, यह सार्थक सामाजिक कार्यों के लिए भारतीय सेना और कॉर्पोरेट हितधारकों के बीच साझेदारी को और मजबूत करती है।

डीएमएफके प्रस्तावों में गुणवत्ता और जनहित को दें प्राथमिकता : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला खनिज प्रतिष्ठान (डीएमएफ) के अंतर्गत कराए जाने वाले विकास कार्यों के प्रस्तावों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने निर्देश दिए कि डीएमएफके प्रस्ताव तैयार करते समय कार्यों की वास्तविक आवश्यकता, अनुमानित लागत, गुणवत्ता एवं उनसे मिलने वाले लाभ का स्पष्ट उल्लेख किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यों की संख्या के बजाय उनकी उपयोगिता, गुणवत्ता और दूरगामी परिणामों को प्राथमिकता दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने छात्रावासों में विद्यार्थियों की संख्या एवं उपलब्ध गीजर की क्षमता का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार पर्याप्त क्षमता के गीजर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में पोषण पुनर्वास केंद्र की आवश्यकता पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में वजन किट की स्वच्छता और संक्रमण से बचाव के लिए कम लागत वाली अलग-अलग वजन एवं सैनिटेशन किट उपलब्ध कराने के सुझाव पर विचार किया।

दीपावली पर बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रस्तावित आंदोलन स्थगित

जबलपुर। मध्यप्रदेश के लगभग 45 हजार बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों ने दीपावली पर्व के दौरान 7 एवं 8 नवंबर 2026 को प्रस्तावित काम बंद आंदोलन को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। इसकी घोषणा मध्यप्रदेश बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव, महामंत्री दिनेश सिसोदिया एवं जनता यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र भदौरिया ने की। प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने बताया कि बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की 34 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर भोपाल में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रशासन तथा जबलपुर में पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अधिकारियों के साथ चर्चा हो चुकी है।

ई-रिक्शा और कार चालकों ने बिगाड़ी यातायात व्यवस्था

मुख्य मार्गों पर घंटों लगा जाम, फुहारा से गंजीपुरा और गोरखपुर तक वाहन रेंगते रहे



जबलपुर, यश भारत। धनतेरस पर खरीदारी के उत्साह ने शहर के बाजारों में रौनक तो बढ़ाई, लेकिन यातायात व्यवस्था की पूरी तरह पोल खोल दी। शुक्रवार को सुबह से ही बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ने लगी थी। शाम होते-होते हालात ऐसे हो गए कि प्रमुख बाजारों और मुख्य मार्गों पर पैदल चलना तक मुश्किल हो गया। ई-रिक्शा, कारों, मालवाहक ऑटो और हाथ ठेलों ने सड़कों पर कब्जा जमा लिया। नतीजतन लोग घंटों जाम में फंसे रहे और कई स्थानों पर वाहन चालकों के बीच विवाद की स्थिति भी बनी। धनतेरस के साथ छह दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत हुई। लोगों ने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना कर आरोग्य की कामना की और शुभ मुहूर्त में जमकर खरीदारी की। महंगाई के बावजूद बाजारों में उत्साह दिखाई दिया। केंद्रीय कर्मचारियों को बोनस और राज्य कर्मचारियों को समय से पहले वेतन मिलने का असर भी खरीदारी पर नजर आया। एक दिन पहले से ही बाजार सजकर तैयार थे और धनतेरस की पूर्व संध्या से ही ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई थी। शहर के फुहारा, कमानिया गेट, गंजीपुरा, गढ़ाफाटक मुख्य मार्ग, सिविक सेंटर, ब्लूम चौक, गोरखपुर मार्केट, अंधेरदेव, मुकादमगंज, करमचंद चौक से घंटाघर मार्ग, अधारताल, रद्दी चौकी और दमोहनाका सहित कई क्षेत्रों में यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। संकरी सड़कों पर ई-रिक्शा और कारों की आवाजाही ने हालात और बिगाड़ दिए। कई जगह दुकानों का सामान और हाथ ठेले भी सड़क तक फैल गए, जिससे वाहनों के निकलने के लिए जगह कम पड़ गई। लोगों की शिकायत रही कि दिनभर प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिस की पर्याप्त मौजूदगी नहीं दिखी। शाम करीब 7 बजे के बाद पुलिसकर्मी यातायात व्यवस्था संभालने के लिए प्वाइंटों पर पहुंचे, लेकिन तब तक बाजारों में जाम के हालात बन चुके थे। देर रात तक कई मार्गों पर वाहन रेंगते नजर आए।



संपादकीय

तमसो मा ज्योतिर्गमय

दीपावली केवल दीप जलाने, घरों को सजाने और खुशियां बांटने का पर्व नहीं है। यह अंधकार से प्रकाश की ओर, निराशा से आशा की ओर और अज्ञान से ज्ञान की ओर बढ़ने का जीवन-दर्शन है। उपनिषदों का कालजयी मंत्र 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, दीपावली की मूल भावना को अभिव्यक्त करता है। यह प्रकाश केवल घरों और रास्तों को रोशन करने तक सीमित नहीं है, अपितु मनुष्य के विचारों, विवेक, चेतना और कर्मों को भी प्रकाशित करने का संदेश देता है। आज न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। कहीं आर्थिक और सामाजिक असमानता है तो कहीं गरीबी और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव। आतंकवाद, युद्ध, हिंसा और आपसी वैमनस्य ने मानव जीवन की शांति को प्रभावित किया है। प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और नई-नई बीमारियां मानव सभ्यता के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर रही हैं। विज्ञान और तकनीक में अभूतपूर्व प्रगति के बावजूद यदि मनुष्य सुरक्षित व शांतिपूर्ण जीवन नहीं जी पा रहा है तो हमें विकास की हमारी परिभाषा पर विचार करना होगा। दीपावली का वास्तविक प्रकाश तभी सार्थक होगा, जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी उसके उजाले का अनुभव कर सके। किसी घर में दीपों की कतार हो और उसी समाज में कोई व्यक्ति भूखा सोए, कोई इलाज के अभाव में दम तोड़े, कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहे या कोई परिवार भय और असुरक्षा में जीवन बिताए तो हमारी उत्सवधर्मिता अधूरी रह जाती है। सच्ची दीपावली वह है, जिसमें संपन्न व्यक्ति जरूरतमंद का सहारा बने, सक्षम व्यक्ति वंचितों को अवसर दे और समाज का प्रत्येक वर्ग एक-दूसरे की खुशियों में सहभागी बने। इस शुभ पर्व पर आत्मावलोकन की भावना को भी समझना होगा। आत्मावलोकन हमें अपने भीतर झांकने, अपनी कमियों को सुधारने और व्यवहार का मूल्यांकन करने की प्रेरणा देता है। वहीं अनुसंधान हमें समस्याओं के मूल कारणों तक पहुंचकर समाधान खोजने की दिशा दिखाता है। हर प्रकार के संकट से निपटने के लिए मानवीय संवेदना आवश्यक है। हमें अपने भीतर भी प्रकाश खोजना है और ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से सतत शोध करते हुए बाहरी दुनिया के अज्ञानरूपी अंधकार को भी दूर करना है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आंकड़ों, बड़ी इमारतों और आधुनिक सुविधाओं से नहीं मापी जा सकती। उसकी वास्तविक पहचान नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और सामाजिक सद्भाव से होती है। इसके लिए सरकार, सामाजिक संस्थाओं, उद्योग जगत और आम नागरिकों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। विश्व शांति की स्थापना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इतिहास की कटु स्मृतियों और प्रतिशोध की भावना में उलझे रहने से भविष्य का निर्माण नहीं हो सकता। अतीत से सबक लेकर ऐसी दुनिया बनानी होगी, जहां संवाद को संघर्ष पर, सहयोग को वैमनस्य पर और मानवता को संकीर्ण स्वार्थों पर प्राथमिकता मिले। आतंकवाद और हिंसा के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय एकजुटता आवश्यक है। भारत की प्राचीन अवधारणा 'वसुधैव कुटुम्बकम्' इसी वैश्विक चेतना का आधार है। पूरी पृथ्वी एक परिवार है तो उसकी समस्याएं भी हम सबकी साझा जिम्मेदारी हैं। किसी एक देश की पीड़ा से विश्व अछूता नहीं रह सकता। इसलिए शांति, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और मानव कल्याण के लिए राष्ट्रों को एक-दूसरे का सहयोगी बनना होगा। आइए, इस दीपावली पर हम केवल अपने घरों में दीप न जलाएं, अपने हृदय और समाज में भी प्रकाश फैलाएं। किसी निराश व्यक्ति के जीवन में आशा का दीप जलाएं, किसी जरूरतमंद की सहायता करें, किसी बीमार को उपचार में सहयोग दें और किसी भटके हुए मन को सद्भाव का रास्ता दिखाएं। अपने भीतर ज्ञान की ज्योति और समाज में समरसता की मशाल प्रज्वलित करें। हमारी कामना है कि 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का संदेश मुंबई से महाराष्ट्र, भारत से लेकर संपूर्ण विश्व तक पहुंचे। मानवता सुरक्षित रहे, हर व्यक्ति को उन्नति का समान अवसर मिले और धरती पर प्रेम, शांति तथा सह-अस्तित्व की ज्योति सदैव प्रज्वलित रहे। यही दीपावली की सच्ची सार्थकता और विश्व शांति के लिए हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

कड़वे वचन



तू बात बात में मुहुर्त मुहुर्त की बात करता है? अरे ये मुहूर्त मुहूर्त क्या होता है? जो काम जिस वक्त कर लो वही मुहूर्त है। रामचंद के राज्याभिषेक का बढ़िया मुहूर्त निकाला गया था पर अगले दिन क्या हुआ? सब मुहूर्त धरा का धरा रह गया। आपको पता है न जन्म का कोई मुहूर्त नहीं होता है और न मृत्यु का कोई मुहूर्त होता है फिर ये बीच के जीवन में मुहूर्त का चक्कर क्यों?

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-7 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

वृष
व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

मिथुन
दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे

कर्क
अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे

सिंह
आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उत्तम दिनचर्या रखें।

कन्या
सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।

तुला
साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अथॉरिटी मिल सकती है।

वृश्चिक
घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे

धनु
रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है

मकर
व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा

कुंभ
धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

मीन
घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

नरक से मुक्ति और अकाल मृत्यु से रक्षा का पर्व है नरक चतुर्दशी

(नरक चतुर्दशी (छोटी दीवाली) पर विशेष)



कार्तिक कृष्ण पक्ष में मनाए जाने वाले पांच दिवसीय दीपोत्सव का दूसरा पर्व नरक चतुर्दशी है, जिसे छोटी दीपावली, रूप चतुर्दशी और काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के अगले दिन मनाया जाने वाला यह पर्व धार्मिक आस्था, पौराणिक मान्यताओं और आध्यात्मिक संदेशों का अनूठा संगम है। 'नरक चतुर्दशी' नाम से ही स्पष्ट होता है कि इसका संबंध मृत्यु के देवता यमराज और नरक से मुक्ति की मान्यता से जुड़ा है। धार्मिक विश्वास है कि इस दिन यमराज की पूजा, व्रत और दीपदान करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है तथा मनुष्य को नरक की यातनाओं से मुक्ति मिलती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अत्याचार पर न्याय और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। इस पर्व पर अभ्यंग स्नान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि सूर्योदय से पूर्व शरीर पर तिल का तेल लगाकर उबटन करने और स्नान करने से रूप, सौंदर्य तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है। इसी कारण इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन घरों की साफ-सफाई, दीप प्रज्वलन, हनुमान जी की पूजा और यमराज के निमित्त दीपदान करने की परंपरा भी प्रचलित है। विशेष रूप से घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाकर यमराज से परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की जाती है।

इस वर्ष चतुर्दशी तिथि दो दिन रहने के कारण पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की स्थिति है। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी 7 नवंबर को सुबह 10 बजकर 47 मिनट से प्रारंभ होकर 8 नवंबर को सुबह 11 बजकर 27 मिनट तक रहेगी। प्रदोष काल में चतुर्दशी तिथि होने के कारण यम दीपदान, हनुमान पूजा और काली चौदस की पूजा 7 नवंबर को की जाएगी जबकि उदयातिथि के अनुसार 8 नवंबर की सुबह अभ्यंग स्नान होगा। नरक चतुर्दशी केवल धार्मिक कर्मकांड का पर्व नहीं है बल्कि जीवन से नकारात्मकता, अहंकार और बुराइयों को दूर कर सदुणों का प्रकाश फैलाने की प्रेरणा भी देता है। इसका संदेश है कि जिस प्रकार दीपक अंधकार को मिटाता है, उसी प्रकार सदाचार, विवेक और सकारात्मकता मनुष्य के जीवन से अज्ञान तथा विकारों के अंधकार को दूर कर सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है। यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी के साथ भगवान श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर के वध की पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

नवजातों को मोबाइल की लत बहुत गलत?



नवजात को मोबाइल मत दीजिये, यह बहुत घातक है। मोबाइल की लत बहुत गलत है। आज का सबसे बड़ा तमाशा देखिए। बच्चा पैदा होते ही रोया भी नहीं कि उसकी फोटो खिंच गई। एक सेकंड में व्हाट्सएप पर, फेसबुक पर, इंस्टाग्राम पर। अस्पताल के बेड से ही स्टेटस लग गया - हमारे घर लक्ष्मी आई, हमारे घर गणेश आया। हमने सोचा हमने प्यार बांटा, पर हमने जन्म लेते ही नवजात को मोबाइल की घातक किरणों के सामने खड़ा कर दिया। जिस बच्चे को मां की गोद की गर्मी और मां का आंचल चाहिए था, उसे सबसे पहले कैमरे का फ्लैश और स्क्रीन की नीली रोशनी दे दी।

और यहीं से लत की शुरुआत हो जाती है। हम खुद ही उसके जीवन की पहली लत के सौदागर बन जाते हैं।

आज हर घर में यही है। 6 महीने का बच्चा गोद में है, हाथ में मोबाइल है। बच्चा रोया, मोबाइल। खाना नहीं खाया, मोबाइल। मां को रसोई का काम करना है, मोबाइल। पिता थक गए हैं, मोबाइल। हम समझते हैं बच्चा संभल गया, पर सच यह है कि हमने कच्ची मिट्टी जैसे बच्चे को घातक किरणों के हवाले कर दिया है। यह संभलना नहीं है, यह जड़ होना है।

मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली घातक किरणें सीधे उसकी नाजुक आंखों पर वार करती हैं। उसकी आंखें अभी बन रही हैं, परदे बहुत कोमल हैं। यह तेज नीली रोशनी उसकी आंखों के परदे को जला रही है। आंखों की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं। तभी तो आज 2-2 साल के बच्चों को मोटा चश्मा लग रहा है। डॉक्टर के क्लिनिक में बच्चों की लाइन लगी है। पहले बच्चे मोतियाबिंद बुढ़ापे में सुनते थे, आज बच्चे बचपन में ही आंखों की बीमारी के शिकार हो रहे हैं। यही किरणें उसकी नींद छीन लेती हैं। मोबाइल की रोशनी दिमाग को दिन-रात का फर्क भूलवा देती है। मेलाटोनिन हार्मोन बनना बंद हो जाता है। बच्चा रात भर जागता है, दिन भर चिड़चिड़ा रहता है, रोता रहता है और मां-बाप समझ ही नहीं पाते कि बच्चा क्यों रो रहा है।

सबसे बड़ा घात उसके दिमाग और बोलने पर हो रहा है। जिस उम्र में उसे मां की लोरी, पिता की आवाज, दादी की कहानी, नानी की थाप सुननी चाहिए, उस उम्र में वह मोबाइल के तेज रंग और तेज शोर में कैद है। वह देखता नहीं, सम्मोहित होता है। कार्टून तेजी से भागते हैं, आवाजें चीखती हैं, उसका छोटा दिमाग उस रफ्तार को पकड़ नहीं पाता। इसीलिए वह चुप हो जाता है और हम मूर्खों की तरह खुश होते हैं कि देखो, हमारा बच्चा कितना समझदार है, बिना रोये मोबाइल देख रहा है। पर यह समझदारी नहीं, जड़ता है। यह शांत होना नहीं, सन्न होना है। इसका सीधा नतीजा है कि बच्चे देर से बोल रहे हैं। 3 साल का बच्चा है पर मां नहीं बोल पाता। लोगों से घुल-मिल नहीं रहे, आंख से आंख नहीं मिलाते, अकेले बैठे रहते हैं, छोटी बात पर जमीन पर लोट-लोट कर भड़क जाते हैं। बड़े-बड़े बाल रोग विशेषज्ञ और मनोचिकित्सक साफ कह रहे हैं, छोटे बच्चों में ऑटिज्म, एडीएचडी और बोलने में देरी का एक बड़ा कारण यह मोबाइल ही है। हम अपने हाथों से अपने बच्चे को बीमार बना रहे हैं।

पहले बच्चा रोता था तो घर के दस हाथ उसे संभालने आते थे। दादी लोरी गाती थी, नानी कहानी सुनाती थी, बुआ गोद में लेती थी, पिता कंधे पर घुमाता था। चाचा उंगली पकड़ कर चलाता था। उससे रिश्ते बनते थे, संस्कार बनते थे, बच्चा सामाजिक बनता था। आज रोते ही एक ही हाथ आता है, मोबाइल वाला। न लोरी रही, न कहानी, न दादी का प्यार, न नानी का दुलार। बच्चा परिवार से नहीं, स्क्रीन से जुड़ गया। वह मां को नहीं पहचानता, मोबाइल को पहचानता है। यह कितनी बड़ी त्रासदी है।

और उसका खेलना-कूदना, भागना-दौड़ना तो खत्म ही हो गया। जो बच्चा मिट्टी में खेलता था, मिट्टी से ही उसका शरीर मजबूत होता था, इम्यूनिटी बनती थी। जो भागता था, गिरता था, उठता था, उससे उसकी हड्डियां मजबूत होती थीं। वही बच्चा अब एक कोने में बैठा, गर्दन झुकाए, आंखें गड़ाए मोबाइल घिस रहा है। न धूप लग रही है, न हवा। शरीर कमजोर, हड्डियां कमजोर, आंखें कमजोर और बचपन सबसे ज्यादा कमजोर। बचपन तो रहा ही नहीं।

हम कहते हैं, मिट्टी मत खा, बीमार हो जाएगा। धूल में मत जा, बीमार हो जाएगा। बाहर का मत खा, बीमार हो जाएगा। हम इतने सजग हैं। पर बच्चा रोज घंटों तक स्क्रीन का मानसिक जहर खा रहा है, उसका दिमाग सड़ रहा है, उससे नहीं डरते। यह कौन सी सजगता है?

सोशल मीडिया पर फोटो डालने की होड़ ने तो हद ही कर दी है। बच्चे का हर रोना, हर हंसना, हर नहाना, हर खाना हमने दुनिया को दिखा दिया। हमने कभी सोचा कि उस फोटो के साथ कितनी घातक किरणें, कितनी बुरी नजरें, कितना डेटा उस बच्चे से चिपक रहा है? वह बच्चा अभी इस दुनिया को समझा भी नहीं और हमने उसे पूरी दुनिया के सामने परोस दिया। उसकी सुरक्षा, उसकी मासूमियत, सब खतरे में डाल दी।

एक घंटे का सुकून पाने के लिए आप उसके जीवन भर की एकाग्रता, उसकी आंखें, उसकी जुबान और उसका बचपन दांव पर लगा रहे हैं। वह एक घंटा आपको आराम देगा, पर वह बच्चा जीवन भर आपको परेशान करेगा, क्योंकि आपने उसकी नींव ही कमजोर कर दी।

अभी संभलने का समय है, कहीं देर न हो जाये। ताउम्र पछताओगे, सिर पटकोगे जब बच्चे अपंग होंगे, आंखों की बीमारी होगी, दिमाग कमजोर होगा और बोलने में पिछड़ जाएंगे।

इसलिए हाथ जोड़कर कह रहा हूं - जन्म लेते ही उसकी फोटो सोशल मीडिया पर डालना बंद कीजिए। उसकी नजर उतारने से पहले ही दुनिया की नजर में लाना बंद कीजिए। कम से कम पहले 5 साल तक तो उसे मोबाइल से दूर रखिए। उसे कहानी सुनाइए, लोरी सुनाइए, मिट्टी में खेलने दीजिए, पेड़ दिखाइए, चिड़िया दिखाइए। रोये तो गोद में लीजिए, मोबाइल मत दीजिए। और नवजात के हाथ में तो बिल्कुल मोबाइल मत दीजिए। यह खिलौना नहीं, बहुत घातक लत है।

(लेखक- नरेंद्र भारती)

बदलते युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत की सैन्य शक्ति को नई उड़ान

ड्रोन मिसाइल और आधुनिक रक्षा तकनीक से मजबूत होगी राष्ट्रीय सुरक्षा



युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कभी युद्ध का फैसला सैनिकों की संख्या, बंदूकों और तोपों की ताकत से होता था, लेकिन आज आधुनिक तकनीक ने युद्ध के पूरे परिदृश्य को बदल दिया है। अब आसमान से निगरानी, ड्रोन तकनीक, मिसाइल प्रणाली, अत्याधुनिक लड़ाकू विमान और हवाई रक्षा प्रणाली किसी भी देश की सैन्य शक्ति के महत्वपूर्ण आधार बन गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पारंपरिक सैन्य ताकत के साथ तकनीकी क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। भारत भी बदलती परिस्थितियों को समझते हुए अपनी सेनाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसी बदलते सैन्य परिदृश्य पर महत्वपूर्ण विचार रखे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इसलिए भारतीय सेनाओं को केवल वर्तमान जरूरतों के अनुरूप नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। रक्षा मंत्री का यह संदेश बताता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को समय के साथ अधिक सक्षम और आधुनिक बनाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। भारत का रक्षा बजट वित्त वर्ष 2026-27 में बढ़कर 7 लाख 85 हजार करोड़ रुपये हो गया है। इसमें सेना के आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए 2 लाख 19 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। रक्षा बजट में यह बढ़ोतरी केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सेना की परिचालन क्षमता, आधुनिक तकनीक, स्वदेशी उत्पादन और राष्ट्रीय सुरक्षा के पूरे ढांचे को मजबूत करना है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति तभी सुरक्षित रह सकती है, जब उसकी सीमाएं सुरक्षित हों और उसकी रक्षा व्यवस्था किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हो।भारत के लिए आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन एक बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है। वर्ष 2014-15 में देश का रक्षा उत्पादन लगभग 46,429 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर करीब 1 लाख 78 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत रक्षा क्षेत्र में विदेशी निर्भरता कम करने और घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आज देश की बड़ी कंपनियों के साथ छोटे और मध्यम उद्योग भी रक्षा उत्पादन में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। इससे रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ भारतीय तकनीकी क्षमता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना में नई सैन्य संरचनाओं के विकास का भी उल्लेख किया। इनमें अश्नि प्लाटून, भैरव बटालियन और शक्तिबाण रेजिमेंट विशेष महत्व रखती हैं। ये नई सैन्य संरचनाएं बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुरूप सेना की क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। अश्नि प्लाटून के माध्यम से पैदल सेना की प्रत्येक बटालियन को अपनी ड्रोन इकाई उपलब्ध कराने की योजना है। इसका उद्देश्य सैनिकों को निगरानी और सूचनाओं के लिए अन्य सैन्य संसाधनों पर पूरी तरह निर्भर रहने से बचाना है। आधुनिक युद्ध में समय पर सही जानकारी मिलना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। ड्रोन तकनीक इस दिशा में सेना की सहायता कर सकती है।

भैरव बटालियन को पैदल सेना और विशेष बलों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से सेना की विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जवानों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास है। इससे विशेष बलों को अधिक जटिल और रणनीतिक महत्व वाले अभियानों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। सेना की योजना ऐसी 25 बटालियन तैयार करने की है। वहीं शक्तिबाण रेजिमेंट आधुनिक तकनीक और ड्रोन आधारित सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इन तीनों संरचनाओं का उद्देश्य सेना को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप अधिक सक्षम बनाना है।आज आसमान से निगरानी और आधुनिक हवाई सुरक्षा किसी भी देश की रक्षा व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं। दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित खतरों का समय रहते पता लगाने में आधुनिक तकनीक की उपयोगिता बढ़ी है। भारत ने भी अपनी हवाई रक्षा प्रणाली, मिसाइल क्षमता और स्वदेशी रक्षा उपकरणों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर तैनात जवानों के साहस पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उनके पास उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और तकनीकी सहयोग पर भी निर्भर करती है।

भारत के सामने पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां हमेशा महत्वपूर्ण रही हैं। पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद और सुरक्षा संबंधी गतिविधियां भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। वहीं चीन के साथ सीमा पर सतर्कता और रणनीतिक तैयारी आवश्यक है। ऐसे में भारत की सैन्य शक्ति का आधुनिकीकरण किसी देश को चुनौती देने के लिए नहीं, बल्कि अपनी संप्रभुता, सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए जरूरी है। भारत की नीति शांति, संवाद और सहयोग की रही है, लेकिन शांति बनाए रखने के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी अनिवार्य है। जो देश अपनी रक्षा के लिए सक्षम होता है, उसकी कूटनीतिक स्थिति भी अधिक मजबूत होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की सोच को लगातार आगे बढ़ाया गया है। स्वदेशी हथियारों, रक्षा उपकरणों, तकनीकी अनुसंधान और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने से भारत की रक्षा क्षमता में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। सरकार का प्रयास है कि भारतीय सेनाओं की आवश्यकताओं के अनुसार देश में ही आधुनिक तकनीक विकसित हो और विदेशी निर्भरता धीरे-धीरे कम हो। यह केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है।

जैसलमेर की बैठक में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से आधुनिकीकरण पर प्रस्तुतीकरण देने को कहा और सदस्यों के सुझावों पर यथासंभव अमल करने का आश्वासन दिया। इससे स्पष्ट है कि रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में सरकार विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श और संस्थागत सुधारों को भी महत्व दे रही है।

भारत की सैन्य शक्ति का वास्तविक उद्देश्य युद्ध करना नहीं, बल्कि युद्ध की आशंका को रोकना और देश में शांति बनाए रखना है। सीमाएं सुरक्षित रहेंगी तो विकास की गति भी निर्बाध बनी रहेगी। किसान खेतों में उत्पादन कर सकेंगे, उद्योग आगे बढ़ेंगे, व्यापार का विस्तार होगा और नागरिक सुरक्षित वातावरण में अपना जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आज आवश्यकता है कि सेना को आधुनिक संसाधन, स्वदेशी तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और पर्याप्त आर्थिक सहयोग मिलता रहे। बदलते समय में वही राष्ट्र अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जो भविष्य की चुनौतियों के लिए वर्तमान में तैयारी करता है। भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। मजबूत सेना, आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन और आधुनिक तकनीक के समन्वय से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

एम्स भोपाल की सख्त चेतावनी सर्दियों की मामूली सर्दी-खांसी को न करें नजरअंदाज, फेफड़ों पर पड़ सकता है भारी

भोपाल, यश भारत।

सर्दियों के आते ही शहर में वायरल फीवर, सर्दी-खांसी और गले के संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। इसे केवल सामान्य मौसम बदलाव मानकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। एम्स भोपाल ने सर्दियों के मौसम को लेकर एक चेतावनी जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि यह लापरवाही फेफड़ों के गंभीर संक्रमण, वायरल निमोनिया और सांस की भारी तकलीफ में बदल सकती है। अस्पताल प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते सतर्कता बरतें और टीकाकरण व सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दें।

बंद कमरों और कम हवा-आवाजाही से बढ़ता है खतरा

विशेषज्ञों के मुताबिक, तापमान गिरने और नमी में बदलाव होने से सांस के वायरस को फैलने के लिए अनुकूल माहौल मिल जाता है। ठंड बढ़ने पर लोग अधिकांश समय खिड़की-दरवाजे बंद कर ऐसी जगहों पर गुजारते हैं जहां वेंटिलेशन कम होती है। इससे हवा के जरिए इन्फ्लूएंजा और अन्य खतरनाक वायरस एक से दूसरे व्यक्ति तक तेजी से पहुंचते हैं। अचानक तेज



बुखार, कंपकंपी, सिरदर्द, बदन दर्द, गले में खराश और अत्यधिक थकान इसके शुरुआती लक्षण हैं।

इन मरीजों को बरतनी होगी विशेष सावधानी–बुजुर्गों, छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धूम्रपान करने वालों के लिए यह मौसम विशेष रूप से संवेदनशील है। इसके अलावा, जो लोग पहले से दमा सीओपीडी , मधुमेह, हृदय रोग से पीड़ित हैं या जिनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) कमजोर है, उन्हें जरा सी भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। इन मरीजों में सामान्य दिखने वाला वायरल संक्रमण भी पुरानी बीमारी को बिगाड़ सकता है।

टीकाकरण और एंटीबायोटिक को लेकर जरूरी सलाह–चिकित्सकों का कहना है कि इन्फ्लूएंजा से बचाव के लिए हर साल टीका लगवाना सबसे असरदार उपाय है। उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए डॉक्टर की सलाह से निमोनिया का टीका लगवाने पर भी विचार करना चाहिए। इसके साथ ही सबसे अहम बात यह है कि एंटीबायोटिक दवाएं वायरल संक्रमण पर असर नहीं करतीं। इन्हें अपनी मर्जी से मेडिकल स्टोर से लेकर बिल्कुल न खाएं। एंटीबायोटिक तभी ली जानी चाहिए जब बैक्टीरिया से दूसरा संक्रमण होने की पुष्टि या आशंका हो।

इन गंभीर लक्षणों पर तुरंत दिखाएं डॉक्टर–यदि मरीज को लगातार तेज बुखार बना रहे, सांस फूलने की गति बढ़ती जाए, सीने में दर्द हो, मरीज भ्रम की स्थिति में नजर आए या होंठ नीले पड़ने लगें, तो बिना देर किए अस्पताल पहुंचे। फेफड़ों की पुरानी बीमारी से जूझ रहे मरीजों को जरा भी लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सीय परामर्श लेना चाहिए। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनकर, नियमित हाथ धोकर और धूम्रपान से दूर रहकर इस खतरे को काफी हद तक टाला जा सकता है।



सुशीला हायर सेकेंडरी स्कूल, बागेर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई दीपावली

आष्टा, यश भारत।

स्थानीय सुशीला हायर सेकेंडरी स्कूल में दीपावली के पावन पर्व पर विविध रचनात्मक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगोली, फैंसी ड्रेस तथा झरोखा एवं दीपक सजाओ प्रतियोगिताओं से हुई। छात्राओं ने भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाते हुए सुंदर साड़ियां पहनीं। वहीं, मनमोहक रंगोलियों के जरिए स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण, नशा मुक्ति और आत्मरक्षा जैसे प्रेरणादायक सामाजिक संदेश दिए। विद्यार्थियों द्वारा सजाए गए दीये और थालियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनकी सभी ने खुलकर प्रशंसा की।

ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन का उद्देश्य

विद्यालय प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण और बौद्धिक विकास करना है। इस तरह की सहगामी गतिविधियों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास मजबूत होता है और उन्हें अपनी कला व प्रतिभा दिखाने का खुला मंच मिलता है। पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक आयोजनों से बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों, सामाजिक जागरूकता और भाईचारे की भावना का विकास होता है। प्राचार्य रानू परमार ने कहा कि दीपावली खुशियों और प्रकाश का पर्व है, जिसे हमें आपसी प्रेम, भाईचारे और सुरक्षा के साथ मनाना चाहिए। त्योहार की उमंग में सुरक्षा का ध्यान रखना सबसे जरूरी है। बच्चे आतिशबाजी करते समय विशेष सावधानी बरतें, छोटों की देखरेख करें और केवल फुलझड़ियां या चकरी जैसे छोटे पटाखे ही जलाएं। आप सभी का जीवन इसी दीपोत्सव की तरह सदा जगमगाता रहे। '

पुलिस मुख्यालय में नवनियुक्त एसपी बालाघाट मलय जैन का विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित

डीजीपी कैलाश मकवाणा बोले- सुनें सबकी, करें वही जो सही हो

अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने साझा किए कार्य-अनुभव, उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना

भोपाल, यश भारत।

पुलिस मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं एसओ टू डीजीपी मलय जैन को पुलिस अधीक्षक, बालाघाट के पद पर नई जिम्मेदारी मिलने पर पुलिस मुख्यालय में एक विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने श्री जैन को पुष्पमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा बालाघाट में नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि दिसंबर 2024 में स्टाफ ऑफिसर के रूप में मलय जैन का चयन करते समय उनके ईमानदार, कर्मठ एवं विवादरहित कार्य व्यवहार को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने स्टाफ ऑफिसर के रूप में जनसुनवाई के आवेदनों की नियमित निगरानी, ट्रैकिंग तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को तत्काल पुरस्कृत करने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित किया।

नक्सली समस्या और बालाघाट की



चुनौतियां

डीजीपी श्री मकवाणा ने अपने पूर्व के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि बालाघाट जिला पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र रहा है। लगभग 32 वर्ष पूर्व वहां संचार सुविधाओं के अभाव, घने जंगलों में लंबी पैदल गश्त तथा बारूदी सुरंगों जैसे गंभीर खतरों के बीच पुलिस बल को कार्य करना पड़ता था। उस दौर में पुलिसकर्मियों ने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के सतत प्रयासों से आज बालाघाट में नक्सली समस्या समाप्त हुई है। ऐसे में जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में पुलिस बल का मनोबल बनाए रखना, सतर्कता कायम रखना और उपलब्धियों को निरंतर बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है।

सुनें सबकी, करें वही जो सही हो–नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक मलय जैन को मार्गदर्शन देते हुए डीजीपी मकवाणा ने मूलमंत्र दिया कि सुनें सबकी, करें वही जो सही हो। उन्होंने कहा कि एक अधिकारी को सभी पक्षों की बात धैर्यपूर्वक सुननी चाहिए और तथ्यों एवं नियमों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए। किसी भी अनुचित दबाव में आए बिना दृढ़ता से सही निर्णय लेना तथा अपनी संवेदनशीलता और सहजता बनाए रखना ही अच्छे पुलिस अधिकारी की पहचान है।

विभिन्न अभियानों और जिम्मेदारियों में रहा अहम योगदान

समारोह के दौरान पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री मलय जैन के साथ कार्य करने के अपने संस्मरण साझा किए।



सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी ने देश मे कांग्रेस द्वारा फैलाये जा रहे झूठ से अवगत करा कर कांग्रेस की खोली पोल

आष्टा, यश भारत। आज लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत देवास शाजापुर संसदीय क्षेत्र के सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी ने विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के साथ नगर के प्रबुद्धजनो,व्यापारियों,बुद्धिजीवियों एवं गणमान्य नागरिकों के निवास पर पहुच कर उनके परिजनों से संवाद किया एवं आज देश मे कांग्रेस,सपा, आप सहित अन्य दल जिस तरह झूठ का पहाड़ खड़ा कर देश मे जो अराजकता का,झूठ का माहौल पैदा कर रहे है,जिसके पीछे उनका एक ही उद्देश्य है,देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छबि को किस तरह खराब की जाये, कैसे भी हो पीएम की कुर्सी मिल जाये । लेकिन आज देश की जनता कांग्रेस के झूठ को जान चुकी है,उसे पहचान चुकी है । सांसद सोलंकी ने आज संजय किराना स्टोर्स के संजय सिंगी,शिक्षक सुदीप जायसवाल,उद्योगपति मनोज जैन सहित अनेकों प्रबुध्दजन के निवास पर पहुच कर परिजनों से संवाद किया और कांग्रेस की जो इन सब के पीछे गंदी सोच है,उद्देश्य है उनसे तथ्यों के साथ अवगत कराया । सांसद श्री सोलंकी ने इस अवसर पर भाजपा संगठन की विचारधारा, संगठन द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं अभियानों, सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा समसामयिक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर जानकारी दी एवं सकारात्मक संवाद के माध्यम से संवाद एवं विचार-विमर्श किया । इस दौरान रायसिंह मेवाडा,महेंद्रसिंह ठाकुर,सुशील संचेती,उमेश शर्मा, तारा कटारिया,अंजली चौरसिया, अवनीश पिपलौदीया,धर्मेन्द्र ठाकुर,देवजी पटेल, राजीव मालवीय, शिव प्रजापति, राजेश घेंघट, भगवत मेवाडा सहित भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



महानगर बैंक में धन की देवी की पूजा, समृद्धि की कामना

हिरदाराम नगर

महानागरिक सहकारी बैंक, संत हिरदाराम नगर में धनतेरस पर पूजन का आयोजन किया गया। बैंक अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष (मध्य प्रदेश आवास संघ, राज्यमंत्री दर्जा) सुशील वासवानी ने बैंक में माँ लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर ईश्वर से प्रार्थना की और कहा कि बैंक के समस्त ग्राहक एवं अंशधारक सदस्य संपन्न रहें तथा अपने व्यवसाय में निरंतर प्रगतिशील हों। उन्होंने यह भी बताया कि बैंक पिछले 30 वर्षों से प्रतिवर्ष अपने ग्राहकों के लिए लक्ष्मी पूजन कर उनकी समृद्धि की मनोकामना करता है। इस अवसर पर बैंक के मुख्य कार्यपालक प्रकाश आसूदानी, राजेश हिंगोरानी, नरेश वासवानी, नरेंद्र लालवानी, ईश्वर चेलाणी सहित बैंक के तमाम स्टाफ सदस्य, गणमान्य नागरिक एवं ग्राहक उपस्थित रहे।

एसआईआरटी को हराकर एलएनसीटी की महिला टीम लगातार दूसरी बार बनी चैंपियन

आरजीपीवी नोडल वॉलीबॉल प्रतियोगिता

भोपाल, यश भारत।

जेएनसीटी भोपाल द्वारा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित आरजीपीवी नोडल वॉलीबॉल महिला प्रतियोगिता 2026-27 में एलएनसीटी की महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। टीम ने गत वर्ष के अपने दबदबे को कायम रखते हुए लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।



प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में एलएनसीटी ने ओरिएंटल कॉलेज को एकतरफा अंदाज में 25-13 और 25-15 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद फाइनल में उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए एलएनसीटी की खिलाड़ियों ने एसआईआरटी की टीम को सीधे सेटों में 25-10 और 25-13 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

विजेता टीम में आशी राठौड़, अनुष्का यादव, मानवी यादव, समृद्धि पंवार, भूमि मोटवानी, आशिका गौर, नितिशा छुगानी, प्रज्ञा बाथम, निधि पटवा, रिया सिंह, उदिता सिंह, रेखा पौडेल, श्रेया सिंह राजपूत एवं लक्ष्मी सिंह परिहार शामिल रहीं। टीम के कोच महेश सोधिया के कुशल मार्गदर्शन और रणनीतिक प्रशिक्षण की बदौलत खिलाड़ियों ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

एलएनसीटी की इस गौरवपूर्ण सफलता पर जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति व एलएनसीटी ग्रुप के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे, एलएनसीटी के डायरेक्टर डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. अशोक राय, प्राचार्य डॉ. बी.के. साहू एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर पंकज कुमार जैन ने विजेता टीम और कोच को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्री गुरुकृपा सेवा समिति ने 200 परिवारों को मिठाई वितरित की

हिरदाराम नगर।

श्रीं गुरुकृपा सेवा समिति द्वारा दीपावली पर 200 रिब परिवारों को मिठाई वितरित की गई। पार्षद अशोक मारण पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव राजकुमार वाधवानी कपडा एसोशिएशन के महासचिव दिनेश वाधवानी समाजसेवी राज़ मनवानी श्रीं गुरुकृपा सेवा समिति समिति के अध्यक्ष महेश गुरबानी पूज्य सिंधी पंचायत के कोषाध्यक्ष राकेश शेवानी समिति की उपाध्यक्ष भावना उदासी , मुकेश आहुजा मुकेश उदासी सुमित पंजवानी , प्रकाश विधानी, रवि आसुदानी, कैलाश फुलवानी, लखमीचंद बतरा, महेश जागवानी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कार्यक्रम की



अध्यक्षता करते हुए समिति के अध्यक्ष महेश गुरबानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हमारा सदैव यही प्रयास रहता है कि त्योहारों के समय हर किसी के चहेरे पर एक मुस्कान हो चाहे वह अमिर हो या गरिब आज हमें इस प्रकार की सेवा कार्य करते हुए यह सातवां वर्ष है इस अवसर पर पार्षद अशोक मारण ने कहा की आज नगर में पैसों वालों की कमी नहीं है पर सेवा का भाव नहीं है इसलिए सभी इस प्रकार की सेवा कार्य करते रहना चाहिए यहां पर उपस्थित पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव राजकुमार वाधवानी एवं कपडा एसोशिएशन के महासचिव दिनेश वाधवानी ने समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि हमें इस प्रकार सेवा करने का मौका मिला है यहां पर कार्यक्रम का संचालन पूज्य सिंधी पंचायत के कोषाध्यक्ष राकेश शेवानी ने किया तथा आभार भावना उदासी ने वक्त किया।



33 केवी बिजली पोल से टकराया बिजली विभाग का वाहन, अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त

बनखेड़ी, यशभारत। उमरधा रोड स्थित ग्राम महंगवा में नर्मदा मैरिज गार्डन के पास बीती रात करीब 11:30 बजे बिजली विभाग का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि वाहन अनियंत्रित होकर 33 केवी बिजली लाइन के पोल से जा टकराया। हादसे में विभाग में किराए से लगे बुलेरो लोडिंग वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि होने की सूचना नहीं है। देर रात हुए इस हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।



सार्थक दीपावली - बेटियों के चेहरे पर मुस्कान, हर घर में खुशियों का उजाला

सेवा बस्ती की बेटियों के साथ मनाई दीपावली

हिरदाराम नगर।

दीपावली एवं धनतेरस पर बेटियों के सम्मान और उनके जीवन में खुशियों का उजाला लाने के संकल्प के साथ 'लक्ष्मी का वरदान है बेटी, धरती पर भगवान है बेटी' संदेश के तहत सेवा बस्ती की नन्हीं बेटियों के बीच दीपावली का पर्व मनाया गया। सेवा बस्ती की बच्चियों को पटाखे, मिठाइयां एवं मिष्ठान वितरित किए गए। इस अवसर पर राकेश कुकरेजा ने कहा कि बेटियां किसी परिवार की खुशियां ही नहीं, बल्कि समाज की शक्ति और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य हैं। जिस घर में बेटी की मुस्कान गूंजती है, वहां खुशियों के दीपक हमेशा रोशन रहते हैं। बेटियों को सम्मान, स्नेह, सुरक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर देना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दीपावली का वास्तविक आनंद तभी सार्थक होता है, जब हमारी खुशियों में समाज का हर वर्ग शामिल हो और किसी भी बेटी के चेहरे पर मुस्कान लाने का अवसर हमसे न छूटे। कार्यक्रम के माध्यम से समाज को बेटियों के सम्मान, स्नेह और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में राजा शर्मा, भगवानदास ढालिया, राजकुमारी डागोर, सुकांति ठकुरिया, लक्ष्मी महाजन, गोवर्धन अहिरवार, जितेन्द्र डागोर, चंदू यादव, अंकित वर्मा, दुर्गेश सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद थे।

बाल निकेतन में जागरूक बचपन, सशक्त भारत' विधिक जागरूकता कार्यक्रम

हिरदाराम नगर.

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में बाल निकेतन संस्था में सुरक्षित बचपन अभियान में जागरूक बचपन, सशक्त भारत विषय पर एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा, शिक्षा और विधिक संरक्षण से जुड़े कानूनों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान जिला न्यायाधीश एवं सचिव हिमांशु कौशल ने बच्चों को



संविधान के अनुच्छेद 21-क और 39-क के तहत सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और भयमुक्त जीवन जीने के अधिकार के बारे में बताया तथा किसी भी शोषण या हिंसा की स्थिति में बिना डरे अपनी बात रखने के लिए प्रेरित किया। असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल दीपेश ठाकुर ने पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और शिक्षा का अधिकार अधिनियम की जानकारी देते हुए अच्छे-बुरे स्पर्श और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कानूनी पहलुओं को सरल भाषा में समझाया।

राजकुमार थवानी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी और बताया कि धारा 12 के तहत सभी बच्चे इसके पात्र हैं, साथ ही उन्होंने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे में भी बताया। आवाज संस्था के कोऑर्डिनेटर नितिन व्यास ने बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति आगाह करते हुए साइबर हेल्पलाइन 1930 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी दी।

इस अवसर पर बच्चों के लिए चित्रकला, निबंध, स्लोगन और क्विज जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्रमुख हरिओम शर्मा ने सभी अतिथियों और सहभागियों का आभार व्यक्त किया। यह अनूठी पहल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने और एक सुरक्षित व सशक्त बचपन के निर्माण की दिशा में बेहद सार्थक साबित हुई।

रहवासी क्षेत्र में लग रही पटाखों की दुकानें, सुरक्षा पर बड़ा सवाल

गौर सालीवाड़ा में नियमों को ताक पर रखा

बरेला / गौर सालीवाड़ा।ग्राम पंचायत गौर सालीवाड़ा अंतर्गत नंदनवन कॉलेज के पास घनी आबादी वाले रहवासी क्षेत्र में पटाखों की दुकानें लगाई जा रही हैं। हालांकि दुकानदारों के पास लाइसेंस होने की बात कही जा रही है, लेकिन सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर घनी बस्तियों के बीच विस्फोटक सामग्री की दुकानें क्यों संचालित की जा रही हैं?

शासन और प्रशासन की स्पष्ट गाइडलाइन के बावजूद गौर तिराहा के पास रहवासी क्षेत्र में पटाखों की दुकानें सजाई जा रही हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जरा सी लापरवाही या चिंगारी किसी बड़ी तबाही का कारण बन सकती है। क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे खतरे को लेकर रहवासियों में भारी रोष और डर का माहौल है।





सुरक्षा मानकों की अनदेखी

आबादी के बीच खतराः नियमों के मुताबिक पटाखों की दुकानें हमेशा सुरक्षित, खुले और जनजीवन से दूर स्थानों पर लगनी चाहिए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

प्रशासनिक गाइडलाइन की अनदेखी: गौर तिराहा और नंदनवन कॉलेज के समीप बने रहवासी क्षेत्र में दुकानों का संचालन सुरक्षा के तमाम दावों की पोल खोल रहा है।

बड़ा हादसा होने का इंतजार: स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि भविष्य में कोई अनहोनी या बड़ी दुर्घटना घटित होती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे के होने का इंतजार कर रहा है? क्षेत्रीय नागरिकों और जागरूक लोगों ने जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों से मांग की है कि तुरंत इस मामले का संज्ञान लिया जाए और रहवासी क्षेत्र में लग रही इन पटाखों की दुकानों को तत्काल प्रभाव से सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि किसी भी संभावित खतरे को टाला जा सके।

व्यापारी संघ बरेला के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का जुलूस , जगह जगह स्वागत



बरेला , यशभारत। धर्म नगरी और परिक्षैत्र का केंद्र बरेला जहां लगभग सौ गांव का जीवंत संपर्क, व्यवसाय जुड़ा है। बरेला का व्यापारी हर नागरिक की आवश्यकता को पूरा करने की कोशिश करता है। आज विकास और प्रगति के लिए एकता और समन्वय की आवश्यकता है। व्यापारी संघ का गठन इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया गया। दो वर्षीय चुनाव संरक्षक सुभाष चौरसिया,विमल जैन, गोपाल केसरवानी, अरविन्द तिवारी, कैलाश केसरवानी, सतीश साहू के निर्देशन में सम्पन्न हुए। विधिवत चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया। परन्तु सदस्यों ने समन्वय स्थापित कर मुकेश साहू को अध्यक्ष,अजय पटेल गोलू को महासचिव और रजनीश जैन को कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया। तीनों पदाधिकारियों को प्रतीक दुबे राजेन्द्र साहू, राजेश सोनी, दिनेश पटेल, रामजी रैकवार, भगवान दास साहू, ने साल श्रीफल,माला से स्वागत कर नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर मुकेश जैन नरेश पटेल,बाबी जैन,शेरा जैन, विपिन झारिया, मुनि विश्वकर्मा,पंजी जैन, प्रहलाद चोकसे, दिनेश सोनी, योगेश दुबे अमिताभ नामदेव,समय सिंह पटेल, विशाल सोनी, रूबी चौकसे, श्रीकांत उपाध्याय, मुखलेश जैन,माधव शर्मा, रजनीश मांझी,दीपक विश्वकर्मा, राजेश केसरवानी, गणेश साहू मयंक साहू, सहित समस्त व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शानदार जलूस के पश्चात महासचिव गोलू पटेल ने आभार व्यक्त किया।

पनागर कॉलेज में युवा उत्सव प्रारंभ



पनागर। शासकीय कला महाविद्यालय में तीन दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक सुशील तिवारी (इंदु भैया) की गरिमामई उपस्थिति एवं प्राचार्य डॉ. पी. के. जैन की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं पूजन के साथ-साथ विद्यार्थियों की मनमोहक नृत्य प्रस्तुति द्वारा किया गया। विधायक जी द्वारा महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों (प्रथम, द्वितीय व तृतीय) को उनकी नृत्य प्रस्तुति से प्रसन्न होकर पांच- पांच हज़ार की राशि द्वारा पुरस्कृत किया गया। ध्यातव्य है कि मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सांस्कृतिक, साहित्यिक रूपांकन व सांगीतिक पक्ष की 22 विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को अगले चरण के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में भेजा जाएगा। कलाल मंच संचालन अनिल कुमार यादव द्वारा एवं आभार सुश्री दीक्षा देवी चौधरी द्वारा किया गया ।

पार्षद ने पुलिस पर लगाए अभद्रता और मारपीट के आरोप, पुत्र के साथ भी मारपीट का दावा; मामले में विधायक ने किया हस्तक्षेप

नगर की मुख्य सड़क पर दुकान लगाने को लेकर भाजपा पार्षद और बरेला पुलिस के बीच विवाद, थाने में जुटे समर्थक

बरेला।नगर की मुख्य सड़क पर एवं थाने के सामने दुकान लगाने को लेकर भाजपा पार्षद प्रकाश चक्रवर्ती और पुलिस के बीच विवाद का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि पार्षद के समर्थक मंडल अध्यक्ष अर्पित जैन नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतीक दुबे,पूर्व उपाध्यक्ष सोनू सोनकर सहित एवं अन्य लोग बड़ी संख्या में थाने पहुंच गए, जहां काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सड़क पर दुकान लगाने को लेकर पुलिस और भाजपा पार्षद प्रकाश चक्रवर्ती के बीच कहासुनी हो गई। पार्षद प्रकाश चक्रवर्ती का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इतना ही नहीं, उन्होंने अपने पुत्र के साथ भी पुलिस द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। पार्षद के इन आरोपों के बाद मामला और गरमा गया तथा बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंचकर अपना विरोध दर्ज कराने लगे।



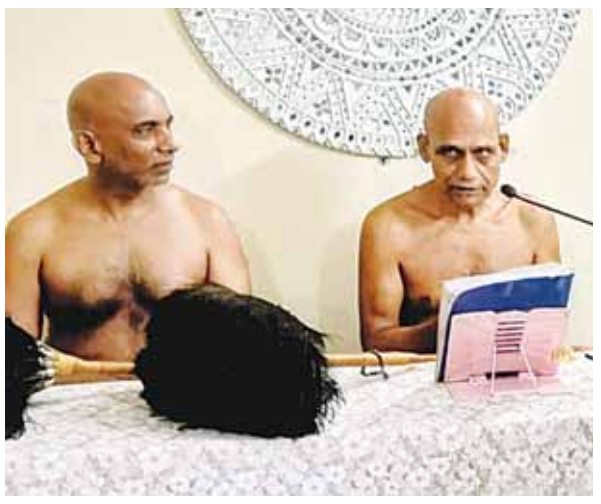
थाने में देर तक चला घटनाक्रम

पार्षद और पुलिस के बीच हुए इस विवाद को लेकर थाने में लोगों का जमावड़ा लग गया। मामले की जानकारी मिलते ही राजनीतिक स्तर पर भी हलचल शुरू हो गई। स्थिति को देखते हुए पनागर विधायक सुशील तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंच कर दोनों पक्षों को सुनने के बाद बातचीत कर मामले को शांत कराया एवं विधायक जी ने पुलिस को सख्त हिदायत दी कि भविष्य में जनप्रतिनिधियों या अन्य किसी के भी साथ ना हो और नगर परिषद को भी सड़क पर दोनों ओर चूना की लाइन डालकर लाइन के अंदर दुकान लगवाने के निर्देश दिए । ताकि यातायात व्यवस्था भी त्यौहार में अवरुद्ध ना हो। परंतु कुछ दुकान दार निर्देश के वावजूद चूना की लाइन के बाहर दुकानें लगा रहे हैं ईश्वर ना करें कोई दुर्घटना हो परंतु दुर्घटना की स्थिति में जिम्मेदार कौन होगा।

फिलहाल पार्षद द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच और पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता सामने आना वाकी है। वहीं दूसरी ओर पुलिस अधिकारी डीएसपी ग्रामीण निकिता सिंह का कहना है कि पुलिस और भाजपा पार्षद के बीच विवाद का मामला सामने आया था किंतु विधायक सुशील तिवारी की समझाइश पर मामला सुलझा लिया गया है। भविष्य में ऐसी पुनरावृति नहीं होगी ।



क्रोध त्यागकर क्षमा और शांति का मार्ग अपनाएं : मुनिश्री



पनागर, यशभारत। क्षमा से शांति यश और मित्रता होती है क्रोध अज्ञानता से शुरू होता है और पश्चाताप पर जाकर समाप्त होता है ठंडा लोहा गरम लोहे को काटता है। वर्षों की मित्रता को भी क्रोध का आवेग क्षण भर में नष्ट कर देता है। उपरोक्त मांगलिक प्रवचन आज पूज्य मुनि श्री 108 निर्दोष सागर जी महाराज ने एक विशाल धर्म सभा में व्यक्त किए। क्रोध शांत करने के लिए मोन सबसे अचूक दवा है। जल तरंग की समान चंचल संपत्ति, लक्ष्मी का कोई स्वामी नहीं होतवा है गरीब को धन की चिंता होती है और धनवान उसकी रक्षा करने के लिए आकुलित होता है। संसारी प्राणी को माया से युक्त वचनों का त्याग करना चाहिए माया संसार को बढ़ाने वाली है अतः यदि परिग्रह का त्याग कर दिया है तो तुम्हें माया से क्या प्रयोजन है। जो व्यक्ति मायाचारी करके अनेक उपायों द्वारा दूसरे को ठगते हैं वह महामोही स्वर्ग और मोक्ष के सुख से अपने आप को वंचित रखते हैं। प्रवचन की पूर्व आज बड़े जैन मंदिर की प्रांगण में भगवान श्री 1008 पदम प्रभु स्वामी जी का तप एवं जन्म कल्याणक मनाया गया। भक्ति जिन्होंने भगवान की अभिषेक शांति धारा पूजन इत्यादि भक्ति भाव के साथ की।

बजरिया मंदिर जी में भक्तामर विधान श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न, गूंजे जयकारे

यश भारत। कटंगी। नगर के बजरिया मंदिर जी में शुक्रवार को श्री मुनिसुव्रतनाथ भगवान का भव्य अभिषेक-पूजन के साथ भक्तामर विधान बड़े ही भक्तिभाव, श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। पूरे मंदिर को रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया था।

विधान का शुभारंभ श्री जी के अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भक्तामर स्तोत्र के 48 श्लोकों का पाठ किया। मंत्रोच्चारण और ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया।

यह पावन विधान संजय सरल भैया के निर्देशन में संपन्न हुआ। उनके मार्गदर्शन में सभी श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। विधान के दौरान भक्तामर स्तोत्र की महिमा के बारे बताया गया कि सच्ची श्रद्धा और भक्ति से किया गया भक्तामर पाठ जीवन के सभी संकटों को दूर करता है। इस अवसर पर समाज के डॉ. सचिन, डॉ. नितिन, वीरू, मनोज, मुन्ना सेठ, सुधांशु, संदीप बजाज, अनिकेत नेताजी, मुनिसुव्रत जैन सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे उपस्थित रहे।

धनतेरस पर बाजार में रही रौनक, दीपावली पर लोग खरीदी करते दिखे

पनागर, यशभारत। धनतेरस के साथ ही पनागर क्षेत्र में दीपावली की रौनक छाई रही बाजार में शुभ मुहूर्त के चलते हजारों लोग अपनी खरीदारी करने पहुंचे और अपने पसंदीदा सामान की खरीदी कर शुभ मुहूर्त हेतु अपनी उपस्थिति दर्ज कराई बताया जाता है कि बार बाजार में काफी भीड़भाड़ देखी गई लोग पूर्व से ही पूजन और सजावटी सामग्री के अलावा अपने घरों में रंग-बिरंगे की रोशनी और सजावट के लिए खरीदारी करते देखे गए वहीं रंगोली की भी इस बार जमकर बिक्री हुई । जहां पुरुष वर्ग तो अपनी खरीदारी में व्यस्त रहा है लेकिन वहीं महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और धनतेरस पर उत्साह के साथ खरीदी की जहां घर में साफ सफाई पूर्ण होकर सजावट का दौर चला वहीं लोगों ने अपनी जमकर खरीदारी भी की। तकरीबन एक करोड़ 70 लाख रुपए के आसपास का पनागर में व्यापार रहा लोग सोने चांदी के लिए खरीदी करने में पीछे नहीं रहे इसलिए बस की तुलना में इस वर्ष सोने चांदी के व्यापार में खरीदी कम थी।



दीपावली पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर निगम अलर्ट

कटनी,यशभारत। दीपावली और गोवर्धन पूजा के आयोजनों को लेकर नगर निगम ने शहर में सुरक्षा, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं की तैयारियां शुरू कर दी हैं। निगमायुक्त तपस्या परिहार ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए 8 से 10 नवंबर तक होने वाले आयोजनों की व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। वहीं बाजारों में आगजनी की आशंका को देखते हुए दमकल वाहनों से पेट्रोलिंग भी शुरू कर दी गई है।

पटाखा बिक्री के लिए न्यू कटनी में तिलक कॉलेज-एनकेजे चौकी के पास रिक्त भूमि और झिंझरी स्थित होमगार्ड मैदान निर्धारित किए गए हैं। इन स्थानों पर 6 से 8 नवंबर तक दुकानें लगेंगी। प्रत्येक दुकान का किराया प्रतिदिन 620 रुपये तय किया गया है। इसके अलावा ग्राम इमलिया में भी पटाखा, फूलमाला और लाई-बताशा की दुकानों के लिए भूमि चिन्हित की गई है।

पांच सचिव-रोजगार सहायकों को नोटिस

कटनी,यशभारत। बहोरीबंद विकासखंड की ग्राम पंचायतों में निरीक्षण के दौरान सचिव और ग्राम रोजगार सहायक नदारद मिले। कार्यालय बंद होने से शासकीय योजनाओं की समीक्षा भी नहीं हो सकी। जिला पंचायत सीईओ हर सिमरनप्रीत कौर ने पांच कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है। जुझारी में सचिव तुलसीराम पटेल और रोजगार सहायक अजय पाल, तिगवां में सचिव कमल झरिया और रोजगार सहायक सनत पटेल तथा अमरगढ़ एवं मवई के सचिव गोविंद पटेल को नोटिस जारी किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास पूर्णता के साथ व्हीबी-जी रामजी और स्वच्छ भारत मिशन के कार्यों की समीक्षा नहीं हो सकी। सीईओ ने स्पष्ट किया है कि जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर मध्यप्रदेश पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विशेष बच्चों के चेहरों पर खुशियों की दीपावली



मिठाई, गर्म कपड़े और स्कूल किट बांटकर मनाया पर्व, उपहार पाकर खिले बच्चों के चेहरे

पन्ना,यशभारत। दीपावली के अवसर पर जे.के. सीमेंट ने शासकीय सीडब्ल्यूएसएन बालक छात्रावास में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ खुशियों का पर्व मनाया। इस दौरान छात्रावास के बच्चों को मिठाई, गर्म हूडीज एवं जैकेट तथा शिक्षा सामग्री से युक्त स्कूल किट वितरित की गई। कार्यक्रम जिला परियोजना समन्वयक किरण कौशिक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर बीआरसीसी पवई गोविंद तिवारी, एपीसी राणा प्रताप सिंह एवं संतोष जडिया उपस्थित रहे। अतिथियों ने कंपनी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विशेष बच्चों के साथ खुशियां बांटना समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का सराहनीय प्रयास है।कार्यक्रम में छात्रावास के वार्डन रामकृष्ण यादव, सहायक वार्डन आशीष सोनी सहित समस्त स्टाफ का सहयोग रहा। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान ने दीपावली के पर्व को यादगार बना दिया। अंत में छात्रावास प्रबंधन ने कंपनी परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।



बिना लाइसेंस पटाखा बेचने बाली दुकानों की हुई जांच

जनरल स्टोर और किराना दुकानों में भी मिली पटाखों की बिक्री, एसडीओपी ने दी सख्त चेतावनी

रैपुरा, यशभारत। आगामी त्योहारों को देखते हुए प्रशासन ने अवैध पटाखा बिक्री के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। 6 नवंबर को एसडीओपी पवई शिव पाठक ने पुलिस टीम के साथ रैपुरा में पटाखा विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई दुकानदार बिना लाइसेंस फुटकर में पटाखे बेचते पाए गए। कुछ जनरल स्टोर और किराना दुकानों में भी अवैध रूप से पटाखों की बिक्री सामने आई। इस पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए संबंधित दुकानदारों को नियमों का पालन करने की हिदायत दी। एसडीओपी ने स्पष्ट किया कि पटाखों की बिक्री के लिए वैध लाइसेंस अनिवार्य है। दुकानदार राजस्व विभाग से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही पटाखों का विक्रय करें। बिना लाइसेंस बिक्री करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल

कहीं 2027 एक दिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए



ऑकलैंड (ईएमएस)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आशंका हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है? यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतल है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के सदस्य थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से अहम योगदान दिया था। इसके बावजूद, उन्हें हाल के एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं। हालांकि, सिराज को बाहर रखने की एक तात्कालिक व्यावहारिक वजह न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में अनौपचारिक टेस्ट मैच का हिस्सा होना हो सकती है, जो तीन नवंबर को समाप्त हुआ था। इसके अगले ही दिन एकदिवसीय मुकाबला खेला गया, और तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन व रिकवरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम देना एक तर्कसंगत कदम प्रतीत होता है। लेकिन यह कारण केवल न्यूजीलैंड के पहले मैच तक सीमित नजर आता है। सितंबर-अक्टूबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी सिराज को शुरुआती दो मुकाबलों में जगह नहीं मिली थी। उन्हें सिर्फ तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने आठ ओवर में 52 रन देकर एक विकेट हासिल किया। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने के बाद ही टीम में शामिल किया गया था। इस बात ने उन अटकलों को और हवा दी है कि क्या वह टीम प्रबंधन की पहली पसंद नहीं रह गए हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए निश्चित रूप से नए तेज गेंदबाजों को तैयार करना चाहती है। यह रणनीति भविष्य के लिए विकल्पों को बढ़ाने के लिहाज से सही हो सकती है, लेकिन सिराज जैसे अनुभवी और स्थापित गेंदबाज को लगातार बाहर रखने से उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, साथ ही 2027 विश्व कप में उनकी भागीदारी की संभावनाओं को भी धुंधला कर सकता है।

बड़े स्कोर भी अब जीत की गारंटी नहीं रहे





400 से अधिक रनों के बाद भी हारी हैं टीमें

मुम्बई (यशभारत)। एकदिवसीय रि केट में एक समय बड़े स्कोर बनाने पर किसी भी टीम की जीत तय मानी जाती थी पर आज आधुनिक रि केट इतना बदल गया है कि 400 से अधिक रन भी जीत की गारंटी नहीं रह गये हैं। इसका एक बड़ा कारण टी20 प्रारुप आने के बाद आ मक बल्लेबाजी होने के साथ ही छोटी बाउंड्री को भी माना जा रहा है। रि केट इतिहास में अब ऐसे कई मुकाबले दर्ज हैं, जहां टीमें बड़े लक्ष्य के बाद भी हारी हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों को भी उलटफेर का सामना करना पड़ा है। जिसने साबित किया कि अब रि केट में कोई भी स्कोर अंतिम नहीं माना जा सकता है

ऐसा ही एक अप्रत्याशित मुकाबला साल 2006 में जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला गया था। तब ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान रिकी पोंटिंग की तूफानी बल्लेबाजी से 4 विकेट पर 434 रन बनाये थे। उस समय यह एकदिवसीय इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर था और ऑस्ट्रेलियाई खेमे को अपनी जीत लगभग पक्की लग रही थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने असंभव को संभव कर दिखाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ग्रीम स्मिथ के 90 रन और हर्शल गिब्स के 175 रनों की सहायता से अफ्रीकी टीम ने जीत का आधार बनाया। मार्क बाउचर और जोहान वान डर वाथ ने भी अंत में अहम योगदान दिया और दक्षिण अफ्रीका ने एक गेंद शेष रहते 438 रन बनाकर यह मुकाबला जीत लिया। यह लक्ष्य का पीछा करते हुए आज भी एकदिवसीय इतिहास के सबसे यादगार और रोमांचक मामलों में गिना जाता है।

सिर्फ यही नहीं, हाल के वर्षों में भी ऐसे कई रोमांचक और विशाल स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। उदाहरण के लिए, कुछ समय पहले हुए एक मैच में इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 429 रन बनाए थे पर विरोधी टीम ने एक गेंद शेष रहते 430 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हैरी ब्रूक के दोहरे शतक के बावजूद, विपक्षी बल्लेबाज के शतक और दासुन शनाका की 97 रन की तेज पारी इंग्लैंड पर भारी पड़ी। इसी तरह, भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुवाहाटी में हुए एक मुकाबले में वेस्टइंडीज ने 405 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया, लेकिन भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के 101 और शुभमन गिल के रिकॉर्ड 223 रनों की बदौलत 44वें ओवर में ही इस विशाल लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया।

इसके अलावा कभी-कभी बारिश और डकवर्थ-लुईस नियम भी जीत के समीकरण को पूरी तरह बदल देते हैं। 2023 विश्व कप में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 401 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। हालांकि, बारिश के कारण मैच बाधित हुआ और डकवर्थ-लुईस नियम लागू होने पर पाकिस्तान ने 21 रनों से जीत दर्ज की, जबकि कीवी टीम ने एक विशाल स्कोर खड़ा किया था। ये सभी मुकाबले इस बात का प्रमाण हैं कि आधुनिक एकदिवसीय क्रिकेट में कोई भी स्कोर, चाहे वह कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमेशा जीत की गारंटी नहीं होता। बल्लेबाजों की आक्रामक मानसिकता और पिच की बदलती प्रकृति ने क्रिकेट को और भी रोमांचक बना दिया है, जहाँ अंतिम गेंद तक परिणम बदल सकता है।

हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तानी न करें : रायुडू



मुम्बई (यशभारत)। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरुरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे। रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी।वहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें।

12 नवंबर से हरियाणा में होगी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ चैम्पियनशिप

नई दिल्ली (ईमएस)। भारत में अब गोल्फ की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिससे इस खेल के प्रशंसकों को अब दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। हरियाणा के नूंह में स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन गोल्फ-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही 16 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 72 गोल्फर भाग लेंगे। भारत के 16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे। इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन ऑफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस (एफआईपीपीए) की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। 14 देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने से देश में इस खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए इंडियन पिच एंड पट एसोसिएशन (आईपीपीए) के अध्यक्ष मुनीष अरोड़ा ने कहा कि 14 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पिच एंड पट की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है।

रंग संसार



जूही चावला ने किया तब्बू की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री जूही चावला ने अपनी सहकर्मी और दोस्त तब्बू को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर तब्बू की प्रशंसा करते हुए पूछा कि वे समय के साथ हर चीज में इतनी बेहतर कैसे होती जा रही हैं। यह टिप्पणी तब्बू की अभिनय क्षमता और उनकी कालातीत सुंदरता को रेखांकित करती है, जिस पर उनके सहकर्मी भी मोहित हैं। जूही ने तब्बू को गले लगाते हुए एक प्यारी सी तस्वीर साझा की और माइक्रो-ब्लॉगिंग ऐप पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो तब्बू..!! कुछ लोग बूढ़े होते हैं, कुछ लोग विकसित होते हैंज और फिर आप हैं, जो चुपचाप हर चीज में बेहतर होती जा रही हैं और हमें बताने से इनकार करती हैं कि कैसे.. ढेर सारा प्यार..!! यह संदेश तब्बू की समय के साथ निखरती प्रतिभा और उनकी अद्वितीय उपस्थिति को दर्शाता है, जो उन्हें समकालीन सिनेमा में एक खास मुकाम दिलाती है। कम लोगों को पता होगा कि जूही और तब्बू ने 2001 की कॉमेडी फिल्म आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया में साथ काम किया था। इस फिल्म में इन दोनों के अलावा, गोविंदा, चंद्रचूड़ सिंह, जॉनी लीवर, ईशा कोप्पिकर, विनय आनंद और केतकी दवे जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में शामिल थे। के. राघवेंद्र राव के निर्देशन में बनी यह फिल्म वी. शेखर द्वारा निर्देशित तमिल फिल्म विरालुक्केथा वीक्रम का रीमेक थी।

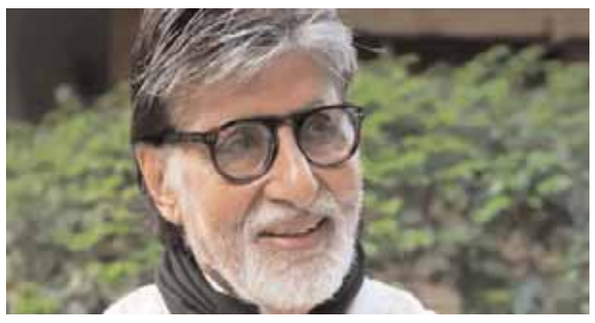
यह उस दौर की एक लोकप्रिय फिल्म थी, जिसमें दोनों अभिनेत्रियों ने अपने-अपने किरदारों को बखूबी निभाया था। तब्बू के 55वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में, उनकी अगली फिल्म किंग 100 के निर्माताओं ने ड्रामा से उनका फर्स्ट-लुक पोस्टर भी जारी किया है. जिससे उनके प्रशंसकों में उत्साह बढ़ गया है। उनकी सह-कलाकार नागार्जुन अक्किनेनी ने भी तब्बू को जन्मदिन की विशेष शुभकामनाएं देते हुए अपने आधिकारिक हैंडल पर लिखा, प्रिय तब्बू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

400 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी *रानी चटर्जी*



मुम्बई (यशभारत)। मशहूर भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने हाल ही में अपना 37वां जन्मदिन मनाया। करीब 400 से अधिक भोजपुरी फिल्मों में अभिनय का लोहा मनवा चुकी रानी आज एक ऐसा नाम बन गई हैं जो भोजपुरी सिनेमा की पहचान है। लाखों दिलों पर राज करने वाली इस अभिनेत्री का असल नाम रानी चटर्जी नहीं, बल्कि सबीहा शेख है। सबीहा का जन्म 3 नवंबर 1989 को मुंबई के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भी यहीं से पूरी की थी। वर्ष 2004 में सबीहा शेख ने फिल्म ससुरा बड़ा पइसावाला से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जहाँ उन्होंने दिग्गज अभिनेता मनोज तिवारी के साथ स्क्रीन साझा की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई और मनोज तिवारी तथा सबीहा शेख की जोड़ी को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। इसी पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान ही उनकी जिंदगी में एक बड़ा बदलाव आया। फिल्म में एक मंदिर का दृश्य फिल्माया जा रहा था, और कुछ धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए, निर्देशकों ने उन्हें अपना स्क्रीन नाम बदलने का सुझाव दिया। इसी पल सबीहा शेख, रानी चटर्जी बन गईं और यह नाम आज भोजपुरी सिनेमा के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो चुका है। अपनी पहली फिल्म से मिली अपार सफलता और पहचान के बाद रानी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने लगातार एक के बाद एक कई सफल फिल्मों में काम किया, जिससे उनकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में नागिन, देवरा बड़ा सतावेला, गंगा यमुना सरस्वती, रानी नंबर 786, दरिया दिल, रानी बनल ज्वाला, घरवाली बाहरवाली, रियल इंडियन मदर, रानी वेड्स राजा, लेडी सिंघम, दूल्हा नाचा गली गली, श्रीमान श्रीमती, शेरनी, परिणय सूत्र, हां मैंने भी प्यार किया था, और नौकरानी बनी महारानी जैसी फ़िल्में शामिल हैं.





मन तैयार पर शरीर कहता है थोड़ा ठहर जाओः अमिताभ बच्चन

मुम्बई (यशभारत)। हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी सेहत, नींद और फिटनेस को लेकर अपने ब्लॉग पर कुछ बहुत ही निजी और मार्मिक बातें साझा की हैं। महानायक ने बताया कि उम्र के इस पड़ाव पर वह एक बार फिर से नियमित रूप से जिम जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब उनका शरीर पहले जैसी फुर्ती से साथ नहीं दे पा रहा है। उन्होंने बताया कि इन दिनों उन्हें कभी-कभी रात में नींद आने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अमिताभ ने अपनी स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि व्यायाम करने के लिए उनका मन तो पूरी तरह से तैयार रहता है और हाँ कहता है, लेकिन उनका शरीर उन्हें थोड़ा आराम करने का इशारा देता है और रुक जाओ कहता है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में सुबह जल्दी उठने से लेकर अपने दैनिक लेखन के दौरान आने वाली परेशानियों तक का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पिछली रात ब्लॉग पूरा न कर पाने की बात उनके मन में लगातार चलती रही, जिसके चलते वह सुबह जल्दी उठ गए और रात भर उनकी नींद बाधित रही। इसके साथ ही, उन्होंने ब्लॉग लिखते समय अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में आ रही तकनीकी परेशानी भी साझा की और पाठकों से मदद मांगी। उन्होंने लिखा, ब्लॉग लिखते समय अभी भी अक्षरों का फॉन्ट साइज बदलने में परेशानी हो रही है। अगर किसी को इसका तरीका पता है तो मुझे समझाएं। मैंने गूगल पर भी देखा, लेकिन वहां दिए गए निर्देश समझ नहीं आए।

हम एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं : जिया शंकर

मुम्बई (यशभारत)। पिछले कई दिनों से अभिनेत्री जिया शंकर अपने मंगेतर करण धनक के साथ अनबन और सगाई टूटने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही थीं। इस बारे में अब अभिनेत्री ने स्वयं सोशल मीडिया पर एक भावुक और विस्तृत नोट साझा कर अपने रिश्ते की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जिया ने करण धनक के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि एक जोड़े के रूप में वे कैसे आगे बढ़ रहे हैं और उनके रिश्ते की सच्चाई क्या है। अपने नोट में जिया ने बहुत ही ईमानदारी से लिखा, अगर किसी ने आपको नहीं बताया कि एक साथ रहना सीखते हुए जिंदगी कितनी मुश्किल हो जाती है, तो मैं बताना चाहती हूं कि ये कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि ज्यादातर कपल्स की तरह हम भी एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं लेकिन कभी-कभी हमारे बीच बहुत झगड़े भी होते हैं और हम बस एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं। जिया ने इस बात पर जोर दिया कि वे परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि वे केवल इंसान हैं, जिन्हें एक-दूसरे से प्यार हुआ और उन्होंने एक-दूसरे को चुना। उन्होंने यह भी लिखा कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं और अंत में बस यही उम्मीद करते हैं कि वे सब कुछ समझ जाएं और इस जिंदगी में साथ-साथ आगे बढ़ें। यह संदेश उनके रिश्ते की गहराइयों और चुनौतियों को दर्शाता है, जिसे वे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से नहीं कतरा रही थीं। अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए जिया ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैं आगे से इस बात का ज्यादा ध्यान रखूंगी कि मैं सोशल मीडिया पर क्या शेयर करती हूं, ताकि किसी भी तरह की अटकलों या बेबुनियाद अफवाहों के लिए कोई जगह न रहे। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि उनके मंगेतर या उनके रिश्ते के बारे में जो कुछ भी कहा गया है, उसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। यह बयान उन सभी अफवाहों को खारिज करता है जो उनके ब्रेकअप को लेकर फैलाई जा रही थीं।



नियमों को ताक पर रखकर ब्लैक मार्केट में बिक रहे पाइप बम

लोकल मैन्युफैक्चरिंग के चलते कार्रवाई से बच रहे कारोबारी, 125 डेसीबल तक धमाकों से दहलेगी शहर की आबादी

जबलपुर, यशभारत। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही शहर में पटाखों की दुकानें सज गई हैं। बाजार में आतिशबाजी की तमाम वैरायटी के बीच सबसे बड़ा खतरा उन पाइप बमों से है, जिनकी न तो कोई ब्रांडिंग होती है और न ही निर्माण करने वाली कंपनी का स्पष्ट नाम। स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले ये पाइप बम खुले बाजार में सामने से बेचने के बजाय कथित तौर पर ब्लैक मार्केट में मांग के आधार पर बेचे जा रहे हैं। तेज धमाकों और अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के लिए कुख्यात इन बमों की बिक्री पर अंकुश लगाना जिला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।



दरअसल, चाइना पटाखों पर प्रतिबंध के बाद भी तेज आवाज वाले पटाखों का कारोबार थमा नहीं है। शिवाकाशी से आने वाले पटाखों के अलावा स्थानीय आतिशबाज भी सुतली बम, एटम बम और विशेष रूप से पाइप बम तैयार कर रहे हैं। इनमें पाइप बम सबसे ज्यादा चिंता का विषय हैं। इनका निर्माण स्थानीय स्तर पर होने के कारण किसी स्थापित ब्रांड का नाम या निर्माता की पहचान सामने नहीं आती। यही वजह है कि इनके निर्माण, भंडारण और बिक्री पर कार्रवाई करना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

दुकानों पर नहीं दिखेंगे, मांगने पर होगी सप्लाई

पाइप बमों का कारोबार करने वालों ने कथित तौर पर बिक्री का तरीका भी बदल लिया है। दुकानों के सामने इन्हें खुलेआम प्रदर्शित करने या बेचने के बजाय अलग से मांग करने वालों को उपलब्ध कराया जा रहा है। यानी बाजार में पटाखों की दुकानों पर भले ही इनकी मौजूदगी नजर न आए, लेकिन पर्दे के पीछे इनका कारोबार जारी रहने की शिकायतें हैं। ऐसे में प्रशासन की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का असर वास्तविक बिक्री तक पहुंच पाएगा या नहीं, यह बड़ा सवाल है।

125 डेसीबल तक धमाके आम लोगों की परेशानी

तेज आवाज वाले पटाखों से होने वाले धमाके रहवासी इलाकों में बुजुर्गों, छोटे बच्चों, बीमार व्यक्तियों और हृदय रोगियों के लिए परेशानी का कारण बनते हैं। 125 डेसीबल तक की आवाज वाले पटाखों को लेकर ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों और न्यायालयीन निर्देशों के तहत प्रतिबंधात्मक प्रावधान लागू हैं। इसके बावजूद हर साल दीपावली पर कानफोड़ू धमाकों की शिकायतें सामने आती हैं। पाइप बमों से होने वाला तेज धमाका ध्वनि प्रदूषण के साथ लोगों में घबराहट और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी बढ़ा सकता है।

स्थानीय निर्माण पर कार्रवाई कौन करेगा?- सबसे अहम सवाल स्थानीय स्तर पर हो रहे निर्माण को लेकर है। जब किसी पटाखे पर निर्माता का नाम, ब्रांड या वैधानिक पहचान ही नहीं होगी, तो उसकी सप्लाई चेन तक पहुंचना आसान नहीं होगा। प्रशासन को केवल लाइसेंसधारी दुकानों की जांच तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय निर्माण स्थलों, अवैध भंडारण और पर्दे के पीछे चल रहे कारोबार पर भी निगरानी रखनी होगी। अन्यथा प्रतिबंधात्मक आदेश कागजों तक सीमित रह जाएंगे और दीपावली की रात शहर के रहवासी इलाकों में तेज धमाकों का सिलसिला जारी रहेगा।

समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बढ़ेगी मुश्किल

पटाखों की खेप बाजार में पहुंचने के बाद ऐन वक्त पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करना कितना प्रभावी होगा, यह भी विचारणीय है। प्रशासन को पहले से ही ध्वनि सीमा का उल्लंघन करने वाले पटाखों की पहचान, स्थानीय निर्माताओं की जांच और अवैध बिक्री पर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए थी। अब सवाल यह है कि जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग पाइप बमों के इस कथित ब्लैक मार्केट पर कितना अंकुश लगा पाते हैं या फिर इस बार भी आम नागरिकों को कानफोड़ू धमाकों के बीच दीपावली मनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

नेकी की दीवार पर अब नहीं रह गई नेकी

या तो जला दिये जा रहे कपड़े,या फिर बेचने वाले उठा लेते हैं

जबलपुर यश भारत। बड़े नेक इरादे से शहर में नेकी की दीवार शुरू की गई थी। जगह जगह ऐसे स्थान चिन्हित किए गए थे जहां लोग उनके लिए अनुपयोगी और पुराने हो चुके सामान वस्त्र, जूते, बर्तन, किताबें आदि रख जाएं तो जिन्हें जरूरत हो अपने हाथ से उठा कर ले जांए। इसका उद्देश्य उन गरीब परिवारों की मदद करना उद्देश्य रहा जो उन्हें खरीदने की क्षमता नहीं रखते हैं उनके अभावों को दूर करना रहा।



प्रारंभ में इसके प्रति लोगों की रुचि भी दिखी लोग दिल खोलकर वहां अपने घर में अनुपयोगी और पुरानी हो गई वस्तुएं छोड़ जाते थे और गरीब, मजदूर, रिक्शेवाले आदि अन्य लोग यहां तक कि सक्षम आर्थिक स्थिति वाले भी वहां से अपनी जरूरतों के सामान ले जाते हुए देखे गए। एक प्रकार से नेकी की दीवार वाले स्थान आदर्श अदल बदल के केन्द्र नजर आए। लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं। नेकी की दीवार वाली जगह अब एक प्रकार से कचरे के स्थान में तब्दील हो चुके हैं ?। अब वास्तविक जरूरत मंदों को वहां कोई जरूरत की वस्तु नहीं मिलती है। वैसे भी वहां पुराने बर्तन, किताबें, जूते आदि नहीं देखे गए।जो गरीब गुरबे वहां किसी उम्मीद से जाते थे, अब उनने उस तरफ देखना भी बंद कर दिया है। कारण यही की वहां उनकी जरूरतों का सामान कभी मिलता ही नहीं। उसके बाद रही सही कसर उन संग्रहकर्ताओं ने खत्म कर दी जो पुराने अच्छे कपड़े बटोर कर ले जाते हैं और उन्हें धोकर प्रेस करके गांवों में ले जाकर बेच देते हैं।रहे सहे कपड़ों के कचरे के ढेर को जला दिया जाता है या उनमें जानवर गंदा कर लोटते रहते हैं।गत दिवस ऐसा नजारा एक स्थान पर देखा गया जहां से पुराने कपड़े बटोर कर ले जा रहे थे। वहीं उस दीवार के पीछे बचे कपड़ों को जला दिया गया था। जिला प्रशासन और नगर निगम पुनः इस मामले में विचार करे कि ऐसे स्थान बने रहें या फिर उन्हें खत्म कर दिया जाए।

क्योंकि ऐसे स्थान उपयोगी तो रह नहीं गये अपितु गंदगी फैलाने के स्थान हो गये हैं।या फिर लोगों को प्रेरित करें कि वे अपने घर का अनुपयोगी सामान कबाड़ी को बेचने की जगह वहां रख जाएं और जरूरत मंद जिन्हें वास्तव में जरूरत है और वो उसे खरीद नहीं सकते हैं ले जाएं। क्योंकि सुना है कि दुआओं में बहुत असर होता है।

बिजली की मांग में कई गुना वृद्धि लेकिन सिस्टम वही 40 साल पुराना

जबलपुर, यशभारत। प्रदेश के प्रमुख शहरों में शामिल जबलपुर का विस्तार तेजी से हो रहा है, लेकिन विजयनगर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति आज भी चार दशक पुरानी व्यवस्था पर निर्भर है। वर्तमान में विजयनगर की आबादी एक लाख पार कर चुकी है और नए आवासीय प्रोजेक्ट्स, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तथा अस्पतालों के बनने से बिजली की खपत कई गुना बढ़ गई है। नए कनेक्शन तो लगातार दिए गए, लेकिन बुनियादी ढांचे और ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता में वृद्धि नहीं की गई। पुराने ट्रांसफॉर्मरों और ओवरलोडेड 33 केवी

विजयनगर की घनी आबादी जर्जर और ओवरलोडेड नेटवर्क के भरोसे



लाइनों पर अत्यधिक दबाव के कारण क्षेत्र में बार-बार ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज और बिजली व्यवधान जैसी गंभीर समस्याएं बनी रहती हैं। विनोबा भावे और नयागांव सबस्टेशन पर निर्भरता के चलते एक भी लाइन में खराबी आने पर दर्जनों कॉलोनियों में अंधेरा छा जाता है। भोपाल और इंदौर जैसे शहरों में नए सबस्टेशनों का विस्तार तेजी से हुआ है, जबकि जबलपुर का विजयनगर क्षेत्र नए 132 केवी सबस्टेशन के इंतजार में है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी और एमपी ट्रांसको की अनदेखी का खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। नागरिकों की मांग है कि केवल राजस्व और कनेक्शन बढ़ाने के बजाय ट्रांसफॉर्मरों को तुरंत अपडेट किया जाए और नए सबस्टेशन का निर्माण कराया जाए।



सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवर और 11 हजार नकदी चोरी



जबलपुर, यश भारत। गोराबाजार थाना क्षेत्र के पुरानी बस्ती कजरवारा में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाकर सोने-चांदी के आभूषण और 11 हजार रुपये नकद पार कर दिए। वारदात के दौरान चोरों ने मुख्य गेट और अंदर के दरवाजे का ताला तोड़कर अलमारी खंगाल डाली। पुलिस के अनुसार 61 वर्षीय कम्मो बाई डांगे नगर निगम में सफाई कर्मचारी हैं। बेटी की तबीयत खराब होने के कारण वह 3 नवंबर की शाम करीब 6 बजे घर में ताला लगाकर अस्पताल गई थीं। अगले दिन सुबह करीब 11 बजे लौटीं तो घर के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर अलमारी से सोने की झुमकी, टॉप्स, दो मंगलसूत्र, अंगूठियां, नथनी, माला सहित अन्य जेवर और 11 हजार रुपये गायब मिले। शिकायत पर गोराबाजार पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।







दो महीने से चलने-फिरने में असमर्थ 15 माह की हथिनी 'माया' हुई एयरलिफ्ट, इलाज के लिए पहुंचेगी वंतारा

कोच्चि। केरल के कपरीक्कड़ स्थित अभयारण्यम कैंप में पली-बढ़ी 15 माह की हथिनी माया को बेहतर इलाज और गहन चिकित्सा देखभाल के लिए जामनगर स्थित वंतारा ले जाया जा रहा है। माया पिछले करीब दो महीने से अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पा रही है। उसकी लगातार बिगड़ती हालत को देखते हुए वन विभाग ने विशेषज्ञों की सलाह पर उसे एयरलिफ्ट करने का निर्णय लिया है। माया को जन्म के दिन ही उसके झुंड ने छोड़ दिया था। इसके बाद उसे अभयारण्यम कैंप लाया गया, जहां वन विभाग के अधिकारियों और देखभाल करने वालों ने उसका पालन-पोषण किया। जुलाई 2026 में वह अचानक गिर गई, जिसके बाद उसके पैरों में वजन सहने की क्षमता नहीं रही। वह करीब दो महीने तक उठ नहीं सकी। उसके इलाज के लिए वन विभाग ने विशेष मेडिकल बोर्ड गठित किया। बोर्ड की

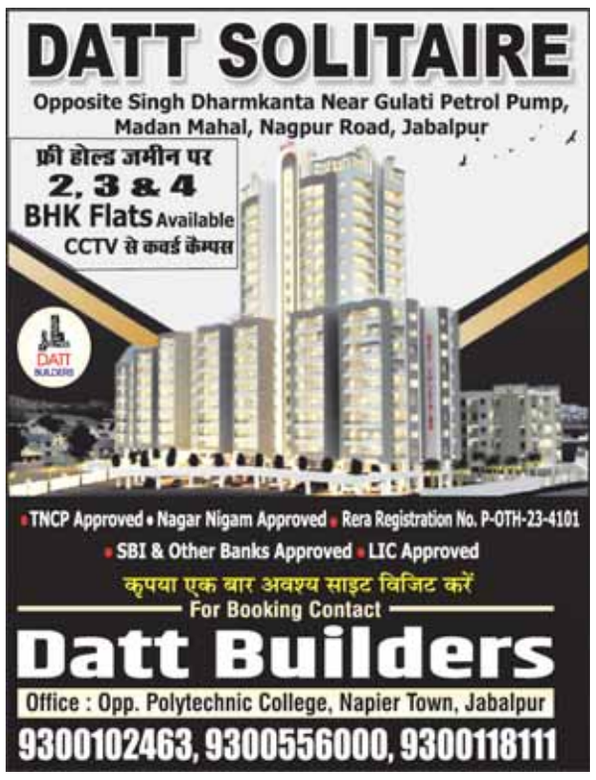


सलाह पर पशु चिकित्सकों ने लगातार उपचार किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। लंबे समय तक लेटे रहने के कारण शरीर पर घाव होने, मांसपेशियां कमजोर पड़ने और सांस लेने व पाचन संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ गया। 24 अक्टूबर को विशेषज्ञों ने माया की जांच की। इसके बाद वन विभाग ने हाथियों के उपचार और पुनर्वास में विशेषज्ञता रखने वाली वंतारा की टीम से संपर्क किया। टीम तत्काल अभयारण्यम पहुंची और वन अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ मिलकर माया की स्थिति का आकलन किया। इसंयुक्त जांच के बाद विशेषज्ञों ने सहमति जताई कि माया के बेहतर उपचार और स्वस्थ होने की संभावना के लिए उसे वंतारा ले जाना जरूरी है। अब उसे कोच्चि हवाई अड्डे से जामनगर एयरलिफ्ट किया जा रहा है।



अवैध पटाखा बिक्री पर पुलिस का शिकंजा

जबलपुर, यश भारत। दीपावली के त्योहार से पहले शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध पटाखा बिक्री के खिलाफपुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। रहवासी इलाकों में बिना लाइसेंस पटाखे बेच रहे पांच दुकानदारों को पुलिस ने पकड़ा है। लार्डगंज, गोहलपुर, गढ़ा और बरेला पुलिस की अलग-अलग कार्रवाई में बड़ी मात्रा में पटाखे और आतिशबाजी सामग्री जब्त की गई है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने सभी थाना प्रभारियों को रहवासी क्षेत्रों में विस्फोटक सामग्री के अवैध भंडारण और बिक्री पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में 6 नवंबर को पुलिस टीमों ने दबिश दी। लार्डगंज पुलिस ने जानकीरमण प्लाजा और पांडे चौक के पास बिना लाइसेंस पटाखे बेच रहे मनीष केशरवानी और अंकित चौधरी को पकड़ा।









स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक प्रवीण अग्रहरि, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे
RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.co.in। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)